छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

वर्ष - 05 अंक - 16 बैकुंठपुर, शनिवार 05 अक्टूबर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

लखपति दीदी से करोड़पति बनने की राह पर बिहान दीदी अनीता साहू

ईंट का व्यापार से प्रतिदिन 10 हजार का शुद्ध लाभ

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर जिले में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के मार्गदर्शन ओर जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार के दिशा निर्देश में स्थानीय महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो इसके लिए स्व सहायता समूह गठित कर विविध गतिविधियों से जोड़कर नए नए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। और जिले के महिला आर्थिक रूप से मजबूत बनकर लखपति दीदी के रूप में जाने जा रहे है।

यह कहानी एक ऐसी महिला की है जो करोड़पति बनने की राह पर अग्रसर है जिसने एक मिसाल कायम किया है और न जाने कितनों को प्रेरित कर रही है। अनिता साहू काँसाबेल विकासखण्ड की नरियाड़ाँढ ग्राम पंचायत प्रगति महिला ग्राम संगठन में नारी शक्ति स्व सहायता समूह की सदस्य है और कल्पना संकुल संगठन चेतना के अंतर्गत एफएलसीआरपी के पद पर बिहान कार्यक्रम से जुड़ी हुई है। इनके पति शंकर दयाल साहू शिक्षक हैं और इनके दो बच्चे हैं 9 वी तथा 7 वी में पढ़ाई करते हैं। आज उद्यमिता विकास के क्षेत्र में इनका नाम सबसे आगे है, अपनी सोच की बदौलत इस मुकाम में पहुंची है। मूलत: झारखंड से हैं और विवाह होकर 2008 में काँसाबेल आई, 2016 के सी आरपी राउंड मे समूह से जुड़ी और 2017 मे एफएलसीआरपी बनी । पति अपने कार्य मे वयस्त रहते थे अनीता ने सोचा क्यों नहीं छोटा छोटा कार्य कर अपनी आय में वृद्धि की जाए, उसने यू ट्यूब देखा और फ्लाई एश ब्रिकक्स बनाने का कार्य शुरू करने की सोची । 2017 में बैंक लिंगकिज के माध्यम से 1 लाख रुपये का लोन लिया एवं सीआइएफ से 60000 की राशि लेकर करीब डेढ़ लाख में फ्लाई एश ब्रिकक्स बनाने का छोटा मशीन खरीदा और बिजनस शुरू किया। आस पास से मांग आने लगी और धीरे धीरे पहचान बनने लगी और लाभ होने लगा। समूह की अन्य 3 दीदियों को कार्य से जोड़ मांग की अधिकता एवं लाभ कमाने लगी और व्यापार मे इनकी सोंच बढ़ने लगी की और ज्यादा उत्पादन किया जाने लगा

सोंच से दशा दिशा बदल गई अनीता ने चउडिम रोजगार से 15 लाख का लोन लिया। 13 लाख का हीपकों फ्लाई एश ब्रिकक्स मशीन खरीदा 1.5 लाख मे 20 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया और उत्पादन शुरू कर दिया । आज के दिनों मे 8 समूह सदस्य 3 पुरुष काम कर रहे हैं हैं और प्रतिदिन 10000 ईट का उत्पादन कर प्रतिदिन खर्च काट कर 10000 रु प्रतिदिन शुद्ध लाभ कमा रह है। महीने में 22-25 दिनों के कार्य से 2.2 लाख से लेकर 2.5 लाख की मासिक आमदनी हो रही हैद्य शुद्ध करीब 10000 का मासिक विद्युत खर्च भी वहन कर रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम उनसे हिसाब किताब समझने गई थी।

शासकीय मांग के अनुसार प्रधानमंत्री आवास निर्माण में 8 इंच एवं 9 इंच ईट की आपूर्ति प्रतिदिन की जा रही है। कच्चा माल (एश) खरसिया रायगढ़ से आता है, हाइवा मे करीब 30 टन, 650 रु प्रति टन के हिसाब से खरीदा जाता है, जो मात्र ढुलाई खर्च होता है एश मुफ्त मे मिलता है। इसके अतिरिक्त रेत एवं सिमेन्ट भी लगता है और केमिकल भी इस्तेमाल होता है। 1 ईट तैयार करने मे 3.20रु लगता है जो 4 रु से 4.25 रु तक बिकता है और भी तकनीकी पहलू हैं। परंतु यह ईट लोकप्रिय है, इसकी मांग पूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है इसलिए प्रतिदिन उत्पादन बढ़ाने की सोंच अनीता साहू ने अपने जहनन मे रखा है। अनीता साहू की बातों मे मेहनत और आत्मविश्वास की मुस्कान झलक रही थी, बहुत ही शालीनता से अपनी बात मनोरा से भ्रमण करने वाली समूह की दीदियों को बता रही थी। मनोरा की दीदीया भी उत्साहित है और फ्लाई एश ब्रिकक्स का व्यापार करने हेतु उद्योग विभाग से मिलने जा रही है, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला दल उनका सहयोग कर रहें हैं। अनीता साहू ने जिस तरह की मिसाल प्रस्तुत किया है उस से सभी बहुत प्रेरित।

फरार मुख्य आरोपी गंगाधर यादव आज हुआ गिरफ्तार

की जा रही है एक और फरार आरोपी की पतासाजी

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। चौकी कोतबा गांजा प्रकरण का फरार मुख्य आरोपी गंगाधर यादव उम्र 40 साल निवासी हल्दीझरिया को उसके निवास क्षेत्र से आज गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसके द्वारा उक्त गांजा को अपना होना बताया एवं विक्रय करने के उद्देश्य से तस्करी करना बताया है। प्रकरण में एक आरोपी फरार है, उसकी पतासाजी की जा रही है। चौकी कोतबा क्षेत्र का एक व्यक्ति अपने पुत्र के साथ एवं अन्य एक साथी के साथ मोटर सायकल क्रमांक ष्टत्र 13 ङ्क- 9074 में भारी मात्रा में गांजा रखकर ग्राम हल्दीझरिया से खाड़ामाचा, राजाआमा, बुलडेगा होते हुये परिवहन कर कोतबा की ओर विक्रय करने हेतु आ रहा हैं। इस प्रकार की

सूचना चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक राकेश सिंह को मिली थी जिसके बाद उनके नेतृत्व में टीम गठित कर मुखबीर के बताये अनुसार गवाहों को लेकर राजाआमा की ओर तत्काल रवाना हुये थे, ग्राम बुलडेगा राजाआमा तिराहा पर मुखबीर के बताये अनुसार मोटर सायकल क्रमांक ष्टत्र 13ङ्क-9074 के साथ एक प्लास्टिक बोरा में कुछ सामान रखा हुआ एक व्यक्ति खड़ा दिखा, संदेह होने पर उसे घेराबंदी कर पूछने पर अपना नाम बसंत यादव बताया, उसके बोरा की तलाशी लेने पर उसमें 7.130 किलोग्राम गांजा मिलने पर पूछताछ करने पर उक्त गांजा को चौकी कोतबा क्षेत्र के दो व्यक्तियों का होना बताया, जो इसे रोड में छोड़कर कहीं गये हैं, उनका वह इंतजार कर रहा था। आरोपी बसंत यादव उम्र 28 साल निवासी खाड़ामाचा थाना बागबहार का कृत्य धारा 20 (बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने पर उसे दिनांक 03 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी।

प्रोजेक्ट उन्नति के तहत मनरेगा कर्मियों को दिया जा रहा फास्ट फूड निर्माण का प्रशिक्षण

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रोजेक्ट उन्नति के तहत मनरेगा कर्मियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और अतिरिक्त आय के साधन उपलब्ध कराने के लिए भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक कुमार के निर्देशन में प्रोजेक्ट उन्नति के तहत मनरेगा अंतर्गत 100 दिवस रोजगार पूर्ण किए जनपद पंचायत कुनकुरी के ग्राम पंचायत बरडांड एवं कंडोरा के 32 जॉब कार्डधारी परिवारों के सदस्यों को रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (आरसेटी) जशपुर के माध्यम से फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी का 30 सितंबर से 9 अक्टूबर 2024 तक 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को गुपचुप, मंचूरियन, भेलपुरी, समोसा, चाउमीन एवं अन्य फास्ट फूड बनाना सिखाया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर श्रुति अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रशिक्षार्थियों को प्रतिदिन हम जो फास्ट फूड खाते हैं उन्हें बनाने की विधि के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की स्वादिष्ट फास्ट फूड बनाने के तरीके के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है।

मरीजों को मेनू के आधार पर दिया जा रहा है भोजन

जशपुरनगर। जिले के स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और सभी स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को बेहतर उपचार सहित उन्हें मिलने वाली सभी सुविधा सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सतत रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में डॉ.व्ही. के. इंदवार और राजेश कुरील ने कल शाम जिला चिकित्सालय जशपुर में मरीजों को दिए जाने वाले भोजन सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पाया कि मरीजों को स्वच्छता का पालन करते हुए मेनू के मुताबिक पौष्टिक भोजन दिया जा रहा है। उन्होंने भोजन वितरण करने वाली संस्था को सख्त निर्देश दिए कि गुणवत्ता से समझौता किए बिना प्रतिदिन मेनू के अनुसार ही पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए।

विष्णु के सुशासन में गांव के विकास के लिए गांवों में आयोजित की जा रही विशेष ग्राम सभाए

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य के ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए बेहतर प्रयास कर रहे हैं। पंचायती राज मंत्रालय के तहत देश भर में 750 चुनिंदा गांवों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही हैं, जिसका उद्देश्य सभी ग्रामीणों को एकजुट करना और गांव के विकास के लिए ग्राम पंचायत विकास योजनाओं पर चर्चा करना है। विगत दिवस बगिया ग्राम पंचायत में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामवासियों को विभिन्न जन योजनाओं, पंचायत की विकास योजनाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही योजना की जानकारी लेने के बाद विकास योजना ग्रामीणों द्वारा तैयार किया जाता है। कार्यक्रम में गांव के सरपंच राजकुमारी साय और सचिव रमाकांत वैष्णव ने ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया कि और कहा कि अपनी पंचायत की योजनाओं में सक्रिय भागीदारी करें और विकास की दिशा में प्रगति करें। उन्होंने पंचायत की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने और ग्राम सभा में महिलाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही, उन्होंने स्वच्छता और नशा मुक्ति अभियान के लिए ग्रामीणों को शपथ दिलाई। ट्रांसफार्मर रूरल इंडिया की दिव्या प्रियदर्शनी द्वारा ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत संचालित पीपीसी पर लघु फिल्म दिखाई गई। इसके साथ ही उन्होंने जीपीडीपी, सतत विकास के स्थानीय करण के विषयों की चर्चा की और बगिया ग्राम पंचायत के पंचायत विकास सूचकांक स्कोर की जानकारी दी। इसी आधार पर संकल्प लेने में सहायता करना और इस संकल्प के पूरा करने में स्थानीय महिलाओं के सामुदायिक संगठन, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि और स्थानीय विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 लोगों ने भाग लिया, जिसमें महिलाएं, 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक, स्कूली बच्चे और अन्य विभागीय कर्मचारी शामिल हुए। ग्राम सभा में वरिष्ठ नागरिकों का विशेष सम्मान किया गया और उनसे गांव में हुए बदलावों के अनुभव साझा किए गए। ग्राम सभा का समापन वृक्षारोपण समारोह से किया गया, जिसमें पंचायत के सभी सदस्यों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। बगिया ग्राम पंचायत में आयोजित यह विशेष ग्राम सभा समुदाय के सभी वर्गों को एकजुट करने में सफल रही और गांव के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

बगीचा के रनपुर क्षेत्र में सदस्यता अभियान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जशपुर विधायक हुई सम्मिलित

350 से भी ज्यादा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने ली भाजपा की ऑनलाइन सदस्यता

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। सदस्यता अभियान को गति देने जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत बगीचा के रनपुर पहुंची। यहां भाजपा की रीति-नीति से अवगत कराते हुवे विधायक ने डबल इंजन की सरकार की समस्त योजनाओं को विस्तार से बता कर इसका लाभ लेने प्रेरित किया। बगीचा के रनपुर क्षेत्र में सदस्यता अभियान को गति देने आयोजित भाजपा संगठन महापर्व भाजपा सदस्यता अभियान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत सम्मिलित हुई। यहां ग्रामीणों के द्वारा विधायक का आत्मीय स्वागत किया गया। अपने संबोधन में विधायक श्रीमती भगत ने केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार की सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुवे इसका लाभ उठाने के लिए जनता को जागरूक किया, श्रीमती भगत ने कहा कि राज्य में विष्णु सरकार बनने के बाद से लगातार चौतरफा विकास हो रहा है, शिक्षा, स्वास्थ, सड़क, बिजली, पानी जैसे बहुआयामी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है।

श्रीमती भगत ने आगे कहा कि पीएम आवास योजना, मनरेगा, पीएम जनमन, पीएम श्री जैसी केंद्रीय योजनाओं का सीधा लाभ आज ग्रामीणों को मिल रहा है। देश और राज्य को सशक्त व मजबूत बनाने पीएम मोदी के सपना को साकार करने इस वक्त राज्य में सीएम साय अपना शतप्रतिशत योगदान दे रहे हैं, जिससे विकास कार्यों में तेजी आई और आम जनता को इसका फायदा प्रत्यक्ष रूप से मिलता दिख रहा है। श्रीमती भगत ने सदस्यता अभियान को गति देते हुवे भाजपा के रीति-नीति से भी सभी को अवगत करा कर भाजपा का सदस्य बनने की अपील की और सदस्यता अभियान के तहत सैकड़ों ग्रामीणों को यहां भाजपा की सदस्यता दिलाई।

इस दौरान अपने संबोधन में जिला उपाध्यक्ष शंकर गुप्ता ने कहा कि भाजपा को संगठित करने सभी पदाधिकारी अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे हैं, सत्ता में सरकार से होने वाले सामाजिक और जनहित के कार्यों को करा कर लोगों के विश्वास पर खरा उतरने संगठन के लोग इस कार्य में अपना योगदान भी बखूबी दे रहे हैं। सूबे के मुखिया इस वक्त हमारे जिले से ही विष्णुदेव साय हैं, जिनके द्वारा सभी लोगों के हितों और लाभ के लिए लाभकारी योजनाओं का संचालन और क्रियान्वयन किया जा रहा है। महतारी वंदन योजना, किसान सम्मान निधि योजना और पीएम योजना का लाभ दिला आज सभी लोगों के चेहरे में मुस्कान लाने का कार्य इन्होंने किया है। नल जल योजना, निशुल्क अयोध्या राम लला दर्शन योजना, तेंदूपत्ता योजना जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ आज सीधे आम जनता को भाजपा की सरकार में मिल रहा है।

इस दौरान जिला महामंत्री मुकेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शंकर प्रसाद गुप्ता, मंडल महामंत्री हरीश आरिक, जिला पंचायत सदस्य रीना बरला, शंभूनाथ चक्रवती, जिला कार्यकारणी सदस्य महेश यादव, ललित यादव, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रित्विक जैन, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष संतोष गुप्ता, विवेक गुप्ता, जिला सहसंयोजक विपिन यादव, मुक्ता यादव सहित अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। बगीचा विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत रनपुर, जबला और जुकदांड में आयोजित सदस्यता अभियान के दौरान 350 से भी ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ली है। यहां विधिवत सभी कार्यकताओं को विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने ऑनलाइन सदस्यता दिलायी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुवे भाजपा परिवार से जुड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

गांजा तस्करी में संलिप्त सहयोगी आरोपी बसंत यादव को किया गिरफ्तार

दो फरार आरोपियों की सघन पतासाजी जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुर/कुनकुरी। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह को दिनांक 03 अक्टूबर 2024 को मुखबीर से सूचना मिली थी कि चौकी कोतबा क्षेत्र का एक व्यक्ति अपने पुत्र के साथ एवं अन्य 01 साथी के साथ मोटर सायकल में भारी मात्रा में गांजा रखकर ग्राम हल्दीझरिया से खाड़ामाचा, राजाआमा, बुलडेगा होते हुये परिवहन कर कोतबा की ओर विक्रय करने हेतु आ रहे हैं। इस सूचना पर चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक राकेश सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर मुखबीर के बताये अनुसार गवाहों को लेकर राजाआमा की ओर तत्काल रवाना हुये।

ग्राम बुलडेगा राजाआमा तिराहा पर मुखबीर के बताये अनुसार मोटर सायकल क्रमांक सीजी 13-9074 के साथ एक प्लास्टिक बोरा में कुछ सामान रखा हुआ एक व्यक्ति खड़ा दिखा, संदेह होने पर उसे घेराबंदी कर पूछने पर अपना नाम बसंत यादव बताया, उसके बोरा की तलाशी लेने पर उसमें 7.130 किलोग्राम गांजा मिलने पर पूछताछ करने पर उक्त गांजा को चौकी कोतबा क्षेत्र के दो व्यक्तियों का होना बताया। जो इसे रोड में छोड़कर कहीं गये हैं, उनका वह इंतजार कर रहा था। आरोपी बसंत यादव उम्र 28 साल निवासी खाड़ामाचा थाना बागबहार का कृत्य धारा 20 (बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने पर उसे दिनांक 03 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

इस प्रकरण की कार्यवाही में चौकी प्रभारी कोतबा उपनिरीक्षक राकेश सिंह, प्रधान आरक्षक 173 अजय खेस, आरक्षक 58 उपेन्द्र सिंह, आरक्षक 606 पंकज तिर्की का सराहनीय योगदान रहा है। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है कि इस गांजा तस्करी में संलिप्त दो आरोपी फरार हैं, उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है, शीघ्र ही वे पुलिस की गिरफ्त में होंगें।

सड़क हादसे में घायल महिला को एसडीओपी चंद्रशेखर परमा ने अपनी गाड़ी में बिठाकर पहुंचाया अस्पताल

छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुर। प्रात: लगभग 10 बजे एसडीओपी जशपुर चंद्रशेखर परमा अपने ड्राईवर रवि यादव एवं गनमेन के साथ कार्यालय के लिये आ रहे थे, इसी दौरान कलेक्टर बंगला तिराहा के पास एक वाहन चालक अपने वाहन को तेज गति से चलाते हुये एक महिला को ठोकर मार दिया, महिला घायल अवस्था में रोड के किनारे तड़प रही थी एवं उसके साथ छोटा बच्चा था। उक्त महिला को तत्काल एसडीओपी द्वारा स्वयं अपने वाहन में लेटाकर जिला अस्पताल जशपुर

में भर्ती कराया गया, डॉक्टरों की तत्परता से ईलाज करने पर महिला की हालत अब स्थिर है। जशपुर पुलिस इन दिनों एसपी शशिमोहन सिंह के मार्गदर्शन में हर मामले में काफी सजग दिखाई दे रही है। एसडीओपी जशपुर ने घायल महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण भी पेश किया है। इसके पूर्व भी श्री परमा द्वारा पुलिस विभाग में कार्यरत प्रधान आरक्षक रत्नेश यदु के गम्हरिया में एक्सीडेंट होने पर तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है, उक्त प्रधान आरक्षक के सिर में काफी चोंटे आई थी। उनकी इस मानवीयता और सेवा भावना की सराहना पूरे शहर में की जा रही है। यह घटना साबित करती है कि इंसानियत आज भी जिंदा है।

खेत में लगे मोटरपंप चोरी मामले में अपचारी बालक समेत चार गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कसकेला निवासी कृषक के खेत मे लगे सोलर पंप चोरी मामले में पुलिस ने अपचारी बालक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर आज न्यायालय पेश किया है।

लटोरी पुलिस ने बताया कि दो दिनों पूर्व आरोपियों ने कृषक रसलाल के खेत में सिंचाई के उद्देश्य से लगे सोलर पंप को चुरा लिया था।कृषक की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी थी। तभी मुखबिर की सूचना पर चुराए गए मोटर पंप को बेचने के लिए ग्राहक खोज रहे आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ किया तब आरोपियों ने चोरी करने की बात स्वीकार कर ली, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों से चोरी गए मोटर पंप को जब्त कर सभी आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया है।

रामानुजगंज में पटाखे की आवाज वाले साइलेंसर से नगरवासी परेशान

★ मॉडिफाइड बाइक सवारों पर पुलिस ने नहीं कसी नकेल

★ लोगों के कानों पर पड़ रहा बुरा असर मरीज और छात्र परेशान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। सरहदी क्षेत्र रामानुजगंज नगर पंचायत क्षेत्र में सुबह और शाम के समय मनचले युवकों के द्वारा स्कूल एवं कॉलेज टाइम पर भी मॉडिफाइड बाइक में तेज आवाज वाली साइलेंसर के कारण लोग परेशान है लेकिन यहां की पुलिस इन पर नकेल कसने में कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है जिसकी वजह से लोगों के कामों पर इसका असर हो रहा है।

गौर तलब है कि साइलेंसर से पटाखे की आवाज छोड़ने वाले 'बुलेट राजाओं' पर प्रशासन सख़्त नहीं है। बाइक की तेज रफ्तार और आवाज वाले साइलेंसर से लोग परेशान हैं। दोपहिया वाहनों में लगे तेज आवाज का साइलेंसर इन दिनों नगरवासियों के लिए सिरदर्द बन गया है। युवा दोपहिया वाहनों में तेज आवाज वाले साइलेंसर लगाकर नगर की सड़कों में बेधड़क तेजी से वाहन दौड़ा रहे हैं। लेकिन ऐसे वाहन चालकों पर कार्रवाई नहीं होने से मनमानी बढ़ती जा

रही है। इसके कारण ध्वनि प्रदूषण बढ़ रहा है। कुछ वाहन चालक नाबालिग भी है। युवा वर्ग दोपहिया वाहनों में मॉडिफाई करवाकर तेज और ज्यादा आवाज निकालने नए साइलेंसर लगवा रहे हैं।

हॉर्न के शोर को 100 डेसीबल से कम करने का सुझाव

शहर में प्रेशर हार्न के कारण सबसे ज्यादा मरीज और छात्र परेशान हैं,आज शहर के हर मुख्य मार्ग पर बड़े-बड़े वाहन और बाइक में इसका उपयोग हो रहा है। मरीज के परिजन इस मामले में शिकायत भी नहीं कर पाते, क्योंकि प्रेशर हार्न का उपयोग करने वाले कहीं भी गाड़ी ले जाकर इसका उपयोग कर रहे हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने हॉर्न के शोर को 100 डेसीबल से कम करने का सुझाव दिया था, विशेषज्ञों का कहना है कि 8 घंटे तक 93 डीबी से अधिक ध्वनि के संपर्क में रहने पर कानों की सुनने की क्षमता को नुकसान हो सकता है। नगर वासियों का कहना है कि प्रतिदिन सुबह, शाम सैर पर जाते हैं। बहुत तेज गति से कुछ लोग नियम के विरुद्ध वाहन चला रहे हैं। कुछ नाबालिग भी शामिल है, कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती हैं। बड़े बुजुर्गो और बच्चों को दुर्घटना का खतरा रहता है।

प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए। यह तो सब कोई जानता है की लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना गलत है तेज रफ्तार ध्वनि प्रदूषण वाली बाइक बिना लाइसेंस के वाहन चालकों नाबालिक वाहन चालकों पर यदि रामानुजगंज कि पुलिस चलानी कार्रवाई करती तो शायद नगर की कुछ व्यवस्था सुधर सकती थी ? लेकिन इस नगर का दुर्भाग्य है कि नगर में शांति भंग करने वलों को प्रशासनि संरक्षण मिला हुआ ?

राई हाईस्कूल में 13 छात्राओं को बांटे गए नि:शुल्क सायकल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय हाई स्कूल राई में आज कक्षा 9 वीं के 13 छात्राओं को शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष अनूप जायसवाल के

उपस्थिति में साइकिल वितरण किया गया। कार्यक्रम में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष अनूप जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार आपके प्रति चिंतित है। आपको पढ़ाई के दौरान किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री हर संभव प्रयास कर रहे हैं। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अच्छी शिक्षा वास्तु विद्या के तहत विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने शासन स्तर पर हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित राहुल जायसवाल व उपसरपंच दीपक जायसवाल ने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई में जाने-आने में साइकिल मिलने से काफी सहूलियत होगी। सभी छात्राओं को अच्छे से पढ़ाई करके बेहतर परिणाम के साथ अपने माता-पिता सहित जिले का नाम रोशन करना है। इस दौरान रामेश्वर पैकरा, राजेश यादव सहित प्राचार्य इसिदोर तिर्की, रितेश यादव, विवेकानंद जायसवाल, प्रीतम रजक सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास जनचौपाल में शामिल हुए दर्जनों गांव के लाभार्थी तकनीकी जानकारी की गई प्रदान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

प्रतापपुर। जनपद पंचायत प्रतापपुर के जगन्नाथपुर सेक्टर में ग्राम पंचायत - गोटगवां, मदननगर, धरमपुर, गौरा, कोटेया, जगन्नाथपुर, बगड़ा, पलढ़ा, भरदा एवं सिंघरा के 109 हितग्राहियों के साथ आवास बनाने के संबंध में ग्रामीणों को प्रोत्साहित किये जाने हेतु जन चौपाल का आयोजन किया गया है। जिसमें मानक अनुरूप अच्छा एवं समय सीमा में आवास बनाने वाले हितग्राहियों को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही नवीन आवास स्वीकृत हुए हितग्राहियों को 03 किस्तों में राशि प्राप्त होने की जानकारी देते हुए नवीन आवास का ले-आउट भी दिया गया, जिससे आवास प्राप्त हितग्राहियों के चेहरे खिल उठे। हितग्राहियों को आवास निर्माण संबंधी शासन से प्राप्त दिशा निर्देश के बारे में समझाते हुए समय सीमा के भीतर आवास

निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया गया। आयोजित जन चौपाल में कार्यक्रम अधिकारी प्रेमसाय पैकरा, संबंधित ग्राम पंचायत के तकनीकी सहायक मनरेगा, सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं काफी संख्या में आवास हितग्राही एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शारदीय नवरात्रि के मद्देनजर रेलवे प्रबंधन ने

अंबिकापुर-दुर्ग ट्रेन में यात्रियों की बढ़ी संख्या को देखते हुए अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म सीट उपलब्ध कराने की मंशा से गाड़ी संख्या 18241/18242 दुर्ग-अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18241 दुर्ग-अम्बिकापुर एक्सप्रेस में 5 से 9 अक्टूबर तक एवं अम्बिकापुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18242 अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस में 6 से 9 अक्टूबर तक उपलब्ध रहेगी।

बेटे से कहासुनी के बाद शिक्षिका ने फांसी लगाकर दी जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर के वन बी हॉस्पिटल कॉलोनी निवासी जिले के चन्दौरा थाना में पदस्थ एएसआई वरुण तिवारी की 40 वर्षीया पत्नी साधना तिवारी ने बीती रात घर में कुत्ता पालने की मामूली से बात पर नाराज होकर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि मृतिका साधना तिवारी जो आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय बिश्रामपुर में बतौर शिक्षिका पदस्थ थीं। गुरुवार की रात शिक्षिका का 11 वर्षीय पुत्र घर में पालने के उद्देश्य से कुत्ता लेकर आ गया। शिक्षिका द्वारा पुत्र को घर में कुत्ता नहीं पालने की कई बार समझाइश देने के बावजूद मासूम पुत्र जिद पर अड़ा रहा, जिसके बाद शिक्षिका ने कमरे में जाकर दुपट्टे से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना गुरुवार रात करीब साढ़े आठ से 9 बजे के बीच की बताई गई है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बिश्रामपुर पुलिस ने शव पंचनामा उपरांत शव परिजन को सौंप दिया है। आज सूरजपुर जिला अस्पताल में पीएम उपरांत सूरजपुर स्थित मुक्तिधाम में गमगीन माहौल में मृत शिक्षिका का अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में आमजन सहित पुलिस कर्मी व शिक्षा विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

पांच दिनों बाद अमेरा खदान से रोड शेल हुआ शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल अमेरा खदान के कोल परिवहन से जर्जर हुए सड़क की मरम्मत की ग्रामीणों की मांग को एसईसीएल प्रबंधन द्वारा अनदेखी करने से नाराज ग्रामीणों ने पिछले पांच दिनों से क्षेत्रीय विधायक राजेश अग्रवाल की अगुआई में खदान का कोयला परिवहन ठप कर दिया था।सिंगीटाना ग्राम के ग्रामीणों का आरोप है कि प्रबंधन द्वारा खदान से कोयला परिवहन के चलते अमेरा सिंगीटाना मार्ग करीब छह किलोमीटर अत्यंत जर्जर हो गया है। इस मार्ग पर रोड शेल के ट्रकों से कोयला परिवहन का दबाव बढ़ने से मार्ग जर्जर हो गया है। जर्जर मार्ग की मरम्मत के लिए कई बार ग्रामीणों ने एसईसीएल प्रबंधन से गुहार लगाई थी, लेकिन प्रबंधन आश्वासन देकर काम चलाता रहा।बताया जा रहा है कि सिविल विभाग द्वारा इस मार्ग पर बोल्डर गिट्टी गिराने के नाम पर 2-2 बार 20-20 लाख रुपए के इस्टीमेट बनाकर काम कराया गया था। आरोप है कि

ठेकेदार ने दोनों बार मरम्मत कार्य के नाम पर महज 8-10 गाड़ी गिट्टी गिराकर सिविल विभाग के ओवर सियर और इंजीनियर को मैनेज करके पूरा बिल आहरित कर लिया है। जिस वजह से सड़क में सुधार नहीं हुआ और परेशान होकर ग्रामीणों को अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में कोल ट्रांसपोर्टिंग रोकना पड़ा। बताया यह भी जा रहा है कि ग्रामीणों द्वारा आंदोलन शुरू करने के बाद खदान प्रबंधन ने खदान से निकलने वाली मिट्टी को सड़क पर डलवाकर ग्रामीणों को शांत करना चाहा, जिससे ग्रामीण और नाराज़ हो गए।आज ठेकेदार द्वारा मौके पर 5-6 गाड़ी गिट्टी गिराया गया, जिसके बाद खुद क्षेत्रीय महाप्रबंधक अजय तिवारी और स्टॉफ ऑफिसर सिविल मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की और सड़क निर्माण का प्रस्ताव कंपनी मुख्यालय भेजने आश्वस्त किया, तब ग्रामीण अपना आंदोलन स्थगित किया और फिर खदान से कोयला का डिस्पैच शुरू हुआ। बता दें कि पांच दिनों से कोल डिस्पैच बंद होने से प्रबंधन को लाखों रुपए का आर्थिक नुकसान होने के कयास लगाए जा रहे हैं।

हसदेव बचाओ के नाम पर विदेशी फंडिंग से फर्जी आंदोलन चला रहे रायपुर के कथित एनजीओ हुए बेनकाब

क्या पूर्व उपमुख्यमंत्री ये बतायेंगे कि विदेशी फंडिंग डकार कर आदिवासियों को मुर्ख बनाने वाले आलोक शुक्ला से उनके क्या संबंध हैं : संतोष दास

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। पिछले दिनों राष्ट्रीय दैनिक अखबार इंडियन एक्सप्रेस में छपे गैर सरकारी संगठनों के विदेशी फंडिंग पर आईटी विभाग की गंभीर रिपोर्ट को लेकर भाजपा सरगुजा जिला संवाद प्रमुख संतोष दास ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने अपने जारी बयान में कहा है कि आईटी की रिपोर्ट से हसदेव बचाओ के नाम पर विदेशी फंडिंग से फर्जी आंदोलन चला रहे रायपुर के कथित एनजीओ बेनकाब हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 7-8 सालों से सरगुजा के भोले भाले आदिवासियों को उनके व उनके ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास से दूर रखने का षडयंत्र रायपुर की एनजीओ छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के प्रमुख आलोक शुक्ला और उनके साथी करते आ रहे हैं। यही नहीं हसदेव बचाओ के नाम पर उन्होंने विदेशी फंडिंग एजेंसियों से खुद तो करोड़ों रुपये कमा लिए परंतु राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन लिमिटेड के परसा कोल ब्लाक अंतर्गत आने वाले गांवों के युवाओं तथा ग्रामीणों को

बरगलाकर वो केवल नारे लगवाते रहे। भाजपा जिला संवाद प्रमुख संतोष दास ने आलोक शुक्ला और उनके साथियों के फर्जी आंदोलन का समर्थन करने वाले पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंह देव सहित कॉंग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए उनसे पूछा है कि वो बतायें कि विदेशी फंडिंग डकार कर आदिवासियों को मुर्ख बनाने वाले आलोक शुक्ला से उनके क्या संबंध हैं? श्री संतोष दास ने आगे अपने बयान में चैरिटी के नाम पर विकास विरोधी एजेंडा चलाने वाले सामाजिक संगठनों की पोल खोलते हुए बताया कि हमने पिछले कुछ सालो में देखा है कि छत्तीसगढ़ में खनन क्षेत्र का विरोध करने के लिए भीड़ इकट्ठी करने और सोशल मीडिया में प्रोपेगंडा चलाने के लिए रायपुर स्थित कुछ कथित सामाजिक संगठनों ने करोडों रुपये खर्च किया है। और इसी बात पर आज देश के एक प्रमुख अखबार ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया है कि हसदेव बचाओ के नाम पर आयकर विभाग के नियमों की अवहेलना कर राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा दिल्ली स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर पालिसी रिसर्च (CPR) द्वारा देश और विदेश से दस करोड़ रुपये से भी ज्यादा का चंदा एकत्र किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंह देव ने हसदेव में खनन क्षेत्र का विरोध करने के लिए अपने एनजीओ में करोड़ों रुपये अवैध विदेशी चंदा पाने वाले आलोक शुक्ला का न केवल आँख मूँद कर समर्थन किया है बल्कि उसके अनेक आयोजनों में वो प्रत्यक्ष उपस्थित भी रहे हैं जिसके प्रमाण सोशल मीडिया में उपलब्ध हैं। उन्होंने श्री सिंह देव पर गंभीर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि कांग्रेस की पिछली सरकार में एक जिम्मेदार पद पर होते हुए भी वह काले धन से जुड़े हुए आपराधिक तत्वों को सरगुजा और पास के हसदेव क्षेत्र में बढ़ावा देते रहे हैं। श्री टीएस सिंह देव ऐसा करते हुए सिर्फ उपमुख्यमंत्री पद की गरिमा ही नहीं चूके बल्कि वो गैरकानूनी गतिविधियों के समर्थक बन कर ही रह गए। उन्हें अपने और आलोक शुक्ला की नजदीकियों और उसके आर्थिक व्यवहारों पर सफाई देनी चाहिए साथ ही उन्हें आलोक शुक्ला की संपत्ति और हसदेव विरोधी गतिविधियों के बारे में जो कुछ भी पता हो वह आयकर विभाग को जल्द ही बताना चाहिए।

जनपद स्तरीय आवास मेला का कंदरई में हुआ कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी ग्राम पंचायतों में आवास मेले का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिपं सीईओ कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में जनपद

पंचायत सूरजपुर अंतर्गत 2 अक्टूबर से ही आवास चौपाल के माध्यम से हितग्राहियों के उन्मुखीकरण सह योजना के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। इसी संदर्भ में आज जनपद स्तरीय आवास मेले का आयोजन ग्राम पंचायत कंदरई में किया गया। जिसमें हितग्राहियों को योजना की जानकारी देने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2022-23 के निर्मित आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। नए लक्ष्य 2024-25 के हितग्राहियों के आवास निर्माण शुरू करने के साथ भूमिपूजन का कार्य किया गया। अल्प अवधि में आवास पूर्ण करने वाले हितग्राही को पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अन्य हितग्राहियों को समझाया गया कि जो राशि प्राप्त हुई है वह आवास निर्माण के लिए है। किसी के बहकावे में आकर किसी को राशि देने और अन्य कार्यों में खर्च करने से बचें। कार्यक्रम में सभी ग्राम पंचायतों के सचिव, सरपंच, जनप्रतिनिधि तथा आवास समन्वयक सुजीत पांडेय, तकनीकी सहायक आशीष यादव व आवास के हितग्राही और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रासेयो ने कुदरगढ़ धाम में चलाया सफाई अभियान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को स्वयं सेवको के द्वारा माँ बागेश्वरी के दरबार पहुँच सफाई अभियान चलाया गया। शासकीय नवीन महाविद्यालय ओढ़गी रासेयों इकाई द्वारा गाँधी जयंती के अवसर पर महाविद्यालय मे महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर उनके बताये मार्ग का अनुसरण कर स्वयंसेवक माँ बागेश्वरी के दरबार मे पहुँचे। जहाँ उन्हें टोपी नोट बुक और पेन कार्यक्रम अधिकारी द्वारा प्रदान किया गया तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने कुदरगढ़ माँ के दरबार मे स्वच्छता का कार्य किया जिसके

अंतर्गत धाम रोड के दोनों ओर दुकान मकान की सफाई की माता दरबार के सामने पुल पर मिट्टी कटाई कर श्रमदान किया। रैली के माध्यम से स्वच्छता का सन्देश जन जन तक पहुँचाया और स्वच्छता शपथ दिलाई गई उक्त समस्त कार्यक्रम प्राचार्य और कार्यक्रम अधिकारी रंजीत कुमार सातपुते के निर्देशन मे चलाया गया। महाविद्यालय से सहयोग सहायक प्राध्यापक राहुल साव ने भी दिया इसी कड़ी मे महाविद्यालय भैयाथान के स्वयंसेवक भी कुदरगढ़ पहुंच सफाई कार्य मे बढ़ चढ़ कर सहयोग दिया और कार्यक्रम कों सफल बनाने सहयोग प्रदान किया।

नगरपालिका एवं पंचायत चुनाव के निर्वाचक नामावली मुद्रण हेतु निविदा आमंत्रित

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत के आगामी आम चुनावों के लिए वार्डवार एवं विकासखण्डवार तैयार की गई निर्वाचक नामावली के मुद्रण के लिए मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की गई है।

निविदा फार्म (मूल्य 100 रुपये है) अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से किसी भी दिन कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फार्म में भरी निविदाएं जिला निर्वाचन कार्यालय में 10 अक्टूबर 2024 को 03:00 बजे तक प्राप्त की जाएगी और उसी दिन 10 अक्टूबर को शाम 04:00 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली मुद्रण के लिए कागज सहित दर, लेजर प्रिंट, डिजिटल प्रिंट के लिए मंगवाई जाएगी। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय (नगरपालिका) से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

आजमगढ़ मंडल को भी योगी सरकार ने बनाया 'रूरल टूरिज्म डेवलपमेंट स्ट्रैटेजी' का हिस्सा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने प्रदेश में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने की प्रक्रिया में एक नए अध्याय को जोड़ा है। प्रदेश की समृद्ध ग्रामीण परिवेश को घरेलू व विदेशी पर्यटकों में प्रसिद्ध बनाने की परियोजना से अब आजमगढ़ मंडल को भी जोड़ा जा चुका है। सीएम योगी के विजन अनुसार योजना के अंतर्गत, आजमगढ़, मऊ व बलिया में 4 गांवों में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे समेत विभिन्न पर्यटक सुविधाओं विकास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आजमगढ़ मंडल के गांवों को इस योजना के साथ जोड़ने के बाद अब कुल मिलाकर रूरल टूरिज्म के लिए डेवलप किए जा रहे गांवों की संख्या 97 हो गई है। देवीपाटन, चित्रकूट, अयोध्या, लखनऊ तथा वाराणसी मंडल में पहले से ही इस परियोजना के अंतर्गत क्रियान्वयन शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि प्रदेश के अन्य मंडलों के चिह्नित गांवों को भी इस प्रक्रिया से जल्द ही जोड़ा जाएगा। इन सभी पर्यटन विकास एवं निर्माण कार्यों को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा सीएम योगी के विजन अनुसार पूरा किया जा रहा है और योजना को गति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पर्यटन विभाग द्वारा योजना को दी जा रही गति

सीएम योगी के विजन अनुसार, परियोजना के अंतर्गत आजमगढ़, मऊ और जौनपुर जिलों में कुल 4 गांवों का चयन रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे परियोजना के लिए चयनित किया जाएगा। सभी चारों गांव में एक विलेज को ऑर्डिनेटर, एक-एक जिला को ऑर्डिनेटर, एक टूरिज्म

एक्सपर्ट, एक रूरल डेवलपमेंट एक्सपर्ट व टीम लीड की तैनाती होगी। प्रत्येक गांव में 10 लोकल गाइड, 5 स्टोरी टेलर, तथा लोकल कुजीन का स्वाद उपलब्ध कराने का दायित्व 5 परिवारों को सौंपा जाएगा। इसके अतिरिक्त, जरीदोजी, मूंज, लकड़ी के शिल्पकार, कुम्हार तथा बोटिंग, फिशिंग, फल व सब्जी तोड़ने तथा साइक्लिंग इत्यादि की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 20 कलाकारों तथा स्थानीय लोगों को कार्यभार सौंपा जाएगा। ग्राम स्तर पर 10 होम स्टे तक निर्मित किए जा सकेंगे। इनकी रजिस्ट्रेशन, विकास व नियमन इत्यादि की प्रक्रिया को स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार की पॉलिसी के अनुरूप पूरा किया जाएगा। सारी प्रक्रिया उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के दिशा-निर्देशन में पूरी की जाएगी।

सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए होगा प्रमोशन

परियोजना के अनुसार, सभी रूम स्टे निधि प्लस पोर्टल के साथ भी एकीकृत होंगे। इसके अतिरिक्त, 4 आइसोलेटेज एग्रो टूरिज्म प्रॉपर्टीज के विकास की संभावनाओं को भी तलाशा जाएगा। परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक तीन महीने में गांवों में टूरिज्म को प्रमोट करने के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन किए जाएंगे। साथ ही, इन सभी ग्रामों का सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अकाउंट बनाकर उन्हें प्रमोट किया जाएगा। ग्रामों में 15 रूम तक की कैपेसिटी पर रूम स्टे विकसित किए जाएंगे। सारी विकास प्रक्रिया को 6 महीने के 3 चरण, 4 महीने के चौथे चरण तथा 2 महीने के पांचवें चरण के रूप में 24 महीनों यानी दो वर्षों की अवधि में विकसित किया जाएगा।

पर्यटन बढ़ाने की अपार संभावनाओं में ग्रामीण पर्यटन करेगा इजाफा

उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटकों के लिहाज से देश का नंबर वन टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन के अतिरिक्त प्राकृतिक, वन्य व लोक पारंपरिक कलाओं आधारित पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश की संस्कृति और प्रकृति को देखने और उसे अनभूत करने की ललक न केवल देसी बल्कि विदेशी पर्यटकों में भी बहुत है। यही कारण है कि प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को भी व्यापक स्तर पर जागृत करने की दिशा में योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। प्रदेश के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशंस के समीप ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गांवों में होम स्टे समेत पर्यटन विकास की प्रक्रिया पर फोकस किया जा रहा है।

जाति के आधार पर सफाई और रसोई के काम को लेकर जेलों में भेदभाव

सुप्रीम कोर्ट ने बताया अनुच्छेद-15 का उल्लंघन

एजेंसी

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने जेलों के भीतर जाति-आधारित भेदभाव की निंदा की और कई राज्यों के जेल मैनुअल में भेदभावपूर्ण प्रावधानों के तत्काल संशोधन का आदेश दिया। अदालत के फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कैदियों के साथ उनकी जाति की परवाह किए बिना समान व्यवहार किया जाए और जाति के आधार पर अलग करने या काम सौंपने की प्रथा को समाप्त किया जाए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई की अगुवाई वाली पीठ चंद्रचूड़ ने कैदियों के जाति-आधारित अलगाव, जाति के अनुसार काम के वितरण और कैदियों को उनकी जाति की पहचान के आधार पर अलग-अलग वार्डों में नियुक्त करने की प्रथा पर कड़ी आपत्ति जताई। न्यायालय ने राज्यों को निदेर्शों का एक सेट जारी किया, जिसमें ऐसी प्रथाओं को खत्म करने के लिए जेल प्रोटोकॉल में तत्काल बदलाव को अनिवार्य किया गया।

यह फैसला महाराष्ट्र के कल्याण की निवासी सुकन्या शांता द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में आया, जिन्होंने कुछ राज्य जेल मैनुअल में प्रचलित जाति-आधारित भेदभाव पर प्रकाश डाला था। याचिका में केरल जेल नियमों का हवाला दिया गया है, जो आदतन अपराधियों और फिर से दोषी ठहराए गए अपराधियों के बीच अंतर पैदा करते हैं, और पश्चिम बंगाल जेल संहिता, जो कथित तौर पर विशिष्ट जातियों के लिए सफाई जैसे कुछ कार्य निर्धारित करती है, जबकि खाना पकाने जैसे अन्य कार्य अधिक के लिए आरक्षित हैं। प्रमुख जातियाँ. याचिका में तर्क दिया गया कि ये प्रथाएं संविधान के तहत गारंटीकृत समानता के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन थीं।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,332.72

निफ्टी 24,834.85

नसरुल्लाह के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस का शिकंजा

8 लोग जेल भेजे गए

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जिला अमेठी में हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह के समर्थन में कैंडल मार्च निकालने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। बिना परमिशन के कैंडल मार्च निकालकर प्रदर्शन करने वाले आयोजक समेत 8 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गौरतलब हो, जायस कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कंचाना मोहल्ले में मंगलवार शाम नसरुल्लाह के समर्थन में सैकड़ो लोगों ने कैंडल मार्च निकाला था। इस दौरान इजरायल मुदार्बाद के नारे भी लगे थे। दरअसल, अभी हाल में ही इजरायल ने आतंकी संगठन हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह को मौत के घाट उतार दिया था। इस घटना के विरोध में शिया मुसलमानो ने कश्मीर से लेकर लखनऊ तक प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। अमेठी में भी मंगलवार देर शाम बड़ी संख्या में मुसलमानो ने हाथों में हसन नसरुल्लाह का पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। बता दें कि अमेठी में त्योहारों को लेकर धारा 144 लागू है। बिना किसी परमिशन के किसी भी प्रकार के जुलूस या प्रदर्शन पर पूरी तरह से रोक है। इसके बावजूद पुलिस को सूचना दिए बगैर लोगों ने प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की।

अरबपतियों की सरकार चलाते हैं पीएम मोदी : राहुल गांधी

विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे कांग्रेस के शेर

एजेंसी

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता राहुल गांधी 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन आज नूह में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा निकाली और जहां भी बीजेपी ने 'नफरत का बाजार' खोला, हमने 'मोहब्बत की दुकान' खोलीं। उन्होंने दावा किया कि हम प्यार और एकता की बात करते हैं, वे नफरत फैलाते हैं और देश को तोड़ने की कोशिश करते हैं। राहुल ने दावा किया कि बीजेपी और आरएसएस एक तरफ संविधान को नष्ट करने की विचारधारा है, दूसरी तरफ संविधान को नष्ट कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही है। की विचारधारा है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि मैं अमेरिका में हरियाणा के कुछ युवाओं से मिला, वे मुझसे अपनी समस्याएं साझा करना चाहते थे। उन्होंने मुझे बताया कि वे अमेरिका इसलिए आए क्योंकि हमें हरियाणा में नौकरी नहीं मिल सकती। हरियाणा में बेरोजगारी और महंगाई है और हमें नौकरियां नहीं मिल रही हैं। वे 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका आये थे।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। पीएम मोदी अपने भाषणों में यह नहीं बता सकते कि उन्होंने हरियाणा को बेरोजगारी की सूची में शीर्ष पर कैसे पहुंचाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पीएम मोदी 'अरबपतियों' की सरकार चलाते हैं। उन्होंने 20-25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। पीएम मोदी ने हरियाणा के किसानों, मजदूरों और गरीबों का कितना कर्ज माफ किया? उन्होंने कहा कि हमें बेरोजगारी और महंगाई का हरियाणा नहीं चाहिए। हमें प्रगति का हरियाणा चाहिए।

राहुल ने कहा कि हरियाणा में छोटी-छोटी पार्टियां घूम रही हैं। ये भाजपा की बी टीम हैं। इनको आप समर्थन मत दीजिए। आप कांग्रेस पार्टी को अपना वोट दीजिए और भाजपा की सरकार को हटाने का काम कीजिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शेर और शेरनियां विचारधारा की लड़ाई लड़ते हैं। आप नफरत को मोहब्बत से काटते हैं, इसलिए मैं आपको दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं। आप मुझे शक्ति देते हैं, इसलिए मैं किसी से नहीं डरता हूं। कांग्रेस पार्टी का चिह्न 'अभय मुद्रा' है, जो कहता है- डरो मत।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के बाढ़ प्रभावित सीतामढ़ी जिले में डूबने से छह लोगों की मौत

एजेंसी

पटना , बिहार के बाढ़ प्रभावित सीतामढ़ी जिले में डूबने से छह लोगों की मौत हो गई है जबकि एक युवती लापता है। अपर पुलिस अधीक्षक (सदर-2) आशीष आनंद ने बुधवार को बताया कि मृतकों की पहचान कोदरकट गांव की निवासी जानवी कुमारी (12), मौसम कुमारी (22), अलका कुमारी (21) और आशिका कुमारी (18) के रूप में हुई है। वहीं, सीतामढ़ी जिले में राहत एवं बचाव कार्य में शामिल उप कमांडेंट रणधीर सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम ने बेलसंड और रुन्नीसैदपुर थाना क्षेत्र में दो शवों को पानी से निकाल लिया है।

विपक्ष के बहकावे में न आएं, यह चुनाव विकास और विनाश का है: हरियाणा में राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर चुनाव के दौरान किए वादे पूरे नहीं करने का बुधवार को आरोप लगाया और हरियाणा के लोगों से विपक्ष के बहकावे में नहीं आने का आग्रह किया। सिंह ने जोर देते हुए कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव विकास और विनाश में से किसी एक को चुनने के लिए है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जनता से किए गए वादों को पूरा करने का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हरियाणा के विकास के लिए 78,000 करोड़ रुपये दिए हैं, जबकि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब राज्य को 21,564 करोड़ रुपये दिए गए थे। सिंह ने हरियाणा के यमुनानगर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने 10 साल में किसानों को 1,158 करोड़ रुपये दिए जबकि भाजपा ने 13,276 करोड़ रुपये दिए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के पिछले 10 साल के शासन में हरियाणा में युवाओं को केवल योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गई हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि जब भाजपा एक बार फिर सत्ता में लौटेगी तो युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची (भ्रष्टाचार और पक्षपात) के नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने बहुत से वादे किए थे। अगर 50-55 साल के शासन में आंशिक रूप से भी उन पर अमल किया होता तो भारत एक मजबूत देश बन गया होता। भाजपा नेता ने दावा किया कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव में लोगों को गुमराह कर उनका समर्थन मांग रही है लेकिन ह्लहम अपने घोषणापत्र में जो भी कहते हैं उसे पूरा करते हैं। सिंह ने उपस्थित लोगों से कहा, हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा, याद रखें 2024 का यह विधानसभा चुनाव विकास और विनाश में से किसी एक को चुनने के लिए है। मैं आपको आगाह करता हूं कि विपक्ष के बहकावे में न आएं।

हिन्दूवादी नेता को मंदिरों से सांई की मूर्ति हटाना पड़ा मंहगा, भेज दिया गया जेल

संवाददाता

लखनऊ-वाराणसी। मंदिरों में हिन्दू देवी-देवताओं के समकक्ष सांई बाबा की प्रतिमा या फोटो लगाया जाना एक आम बात है, लेकिन इसका विरोध भी कम नहीं होता है। हिन्दुओं का एक धड़ा ऐसा भी है जो सांई को फकीर से अधिक कुछ नहीं मानता है। उसे तो इस बात की भी नाराजगी रहती है कि सांई के नाम के आगे ओम और पीछे राम लगाया जाना भी सोची समझी साजिश है ताकि हिन्दुओं को भ्रमित किया जा सके। वाराणसी में सांई बाबा की मंदिरों में मूर्ति लगाये जाने से आहत जब एक शख्स ने कई मंदिरों से सांई बाबा की मूर्तियों को उखाड़ कर गंगा जी में प्रवाहित कर दिया तो इस पर बवाल हो गया। उधर, वाराणसी के 14 मंदिरों से शिरडी के साईं बाबा की मूर्तियां उखाड़कर गंगा नदी में प्रवाहित करने का दावा करने वाले हिन्दूवादी नेता और केंद्रीय ब्राह्मण सभा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा को यूपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अजय शर्मा को पुलिस वाराणसी कोर्ट लेकर गई है और संभावना है कि अगर पुलिस पूछताछ के लिए कस्टडी नहीं मांगती है तो अजय शर्मा को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया जाए।

शाह ने लोगों से अहमदाबाद को सबसे स्वच्छ शहर बनाने में मदद करने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को गुजरात के अहमदाबाद के निवासियों से आग्रह किया कि वे अगले साल केंद्र के स्वच्छ सर्वेक्षण में शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नगर निगम के अधिकारियों का सहयोग करें। शाह अहमदाबाद नगर निगम द्वारा भदज क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में 447 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। अहमदाबाद शहर शाह के गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। वह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में मध्यप्रदेश के इंदौर और गुजरात के सूरत को संयुक्त रूप से देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया था।

शाह ने कहा, एएमसी का लक्ष्य शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष पर लाना है। हो सकता है कि हम इस वर्ष यह लक्ष्य हासिल न कर पाएं। लेकिन, अगर हम आज से शुरूआत करें तो अगले वर्ष के सर्वेक्षण में हम देश का सबसे स्वच्छ शहर होने का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में योजना बनाने के लिए वह नगर निगम के अधिकारियों से मिलेंगे। शाह ने उपस्थित लोगों को बताया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान उनके लोकसभा क्षेत्र में 37,000 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य किए गए, जिनमें गुजरात सरकार द्वारा स्वीकृत 23,951 करोड़ रुपये की लागत के कार्य और केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत 14,000 करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाएं शामिल हैं।

रेलवे ने आंदोलनकारी किसानों को चेताया बिना टिकट नहीं करें यात्रा

संवाददाता

लखनऊ। लोकतंत्र में सरकार की नीतियों या किसी संगठन के मनमानी रवैये के खिलाफ अपना विरोध जताने के लिये धरना-प्रदर्शन एक आम बात है। तमाम ऐसे धरने भी होते हैं जिसमें दूर दराज से लोग भाग लेने आते हैं, लेकिन ऐसे आदोलनों पर तब प्रश्न चिन्ह लग जाता है जबकि प्रदर्शनकारी बिना टिकट लिये ट्रेनों या सरकारी बसों में सवार हो जाते हैं। इससे सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान होता है। कभी कभी तो इन धरना प्रदर्शन में इतनी बढ़ी संख्या में आंदोलकारी पूरे देश से आ जाते है जिसके चलते कई बार तो यह धरना प्रदर्शन ऐतिहासिक हो जाता है। सरकार तक चली जाती है।

बहरहाल, प्रदर्शनकारियों का बिना टिकट रेल यात्रा करने के खिलाफ अब रेलवे ने तमाम किसान व अन्य सगठनों को पत्र लिखकर चेताया है। प्रयागराज रेल डिवीजन ने उत्तर प्रदेश की एक किसान यूनियन को पत्र लिखकर कहा है कि अगर वे दो से चार अक्टूबर तक अपने प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए बिना टिकट ट्रेन में यात्रा करते हैं तो रेलवे अधिनियम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। बता दें अखिल भारतीय किसान यूनियन (एबीकेयू) एक एटा जिसने दो अक्टूबर से लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में कार्यक्रमों का प्रस्ताव रखा है। उधर, रेलवे के इस पत्र के खिलाफ एबीकेयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रेलवे को लिखे एक पत्र में कहा गया है कि किसान यूनियन के पदाधिकारी अपने प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए ट्रेन में यात्रा करेंगे और वह भी पहले की तरह बिना टिकट। बता दें रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 55 के तहत कोई भी व्यक्ति बिना टिकट या रेलवे अधिकारी की अधिकृत अनुमति के बिना ट्रेन में यात्रा नहीं कर सकता।

हाथरस भगदड़ कांड में भोले बाबा को बचा रही है योगी सरकार: मायावती

संवाददाता

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो ने 3 अक्टूबर बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि हाथरस में 2 जुलाई को हुए सत्संग भगदड़ कांड में 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। इस घटना की जांच के बाद अदालत में दाखिल चार्जशीट में भोले बाबा का नाम नहीं होना जनविरोधी राजनीति है, जिससे साबित होता है कि ऐसे लोगों को राज्य सरकार का संरक्षण है। उन्होंने इसे अनुचित करार देते हुए आगे लिखा कि मीडिया के अनुसार सिकन्दराराऊ की इस दर्दनाक घटना को लेकर 2300 पन्नों की चार्जशीट में 11 सेवादारों को आरोपी बनाया गया है। लेकिन बाबा सूरजपाल के बारे में सरकार द्वारा पहले की तरह चुप्पी क्या उचित है। ऐसे सरकारी रवैये से आगे ऐसी घटनाओं को रोक पाना क्या संभव

होगा। इसे लेकर आमजन चिंतित है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार के संरक्षण की वजह से हाथरस कांड की चार्जशीट में सूरज पाल सिंह उर्फ भोले बाबा का नाम नहीं है। बता दें कि हाथरस कांड के बाद बसपा ने सबसे पहले भोले बाबा की भूमिका की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की थी। हाथरस भगदड़ केस में 2 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (हत्या के बराबर न होने वाली गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा) और 238 (साक्ष्य मिटाना) के तहत दर्ज की गई थी। सितंबर महीने में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले में आरोपी दो महिलाओं को सशर्त अंतरिम जमानत दी थी। इन महिलाओं के नाम मंजू देवी और मंजू यादव है। हालांकि 9 आरोपी अभी भी कस्टडी में हैं। इससे पहले मामले की जांच कर रही एसआईटी ने भगदड़ में हुई मौतों पर अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसके बाद 6 पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था। इन अधिकारियों में सर्किल ऑफिसर सिकंदर राव, आनंद कुमार, सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट रवींद्र कुमार, तहसीलदार सुशील कुमार और दो सब इंस्पेक्टर मनवीर सिंह और बृजेश पांडे शामिल हैं।

सम्पादकीय

इजराइल के खिलाफ ईरान की जंग से विश्व को खतरा

इजराइल पर ईरान के हमले के बाद पश्चिम एशिया की स्थिति विकट से विकटतर हो गई है। इजराइल के आतंकवादी गुटों के खिलाफ जंग की प्रतिक्रिया में ईरान इजराइल के खिलाफ सीधे युद्ध में कूद गया है, इससे पश्चिम एशिया में संघर्ष के आसार बढ़ गए हैं। इस संघर्ष ने वैश्विक सुरक्षा व शांति के लिए खतरा बढ़ा दिया है। भारत ने कहा है कि वह पश्चिम एशिया में स्थिति पर नजर रखे हुए है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिकी दौरे पर हैं, जिसमें वहां बातचीत के मुख्य एजेंडे में पश्चिम एशिया के ताजा हालात हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल फ्रांस में हैं, जहां वार्ता में भी एजेंडा पश्चिम एशिया में बढ़ रहा तनाव ही है। दरअसल, ईरान के सीधे तौर पर जंग में कूदने से युद्ध के विस्तार की संभावना बढ़ गई है। अब तक इजराइल हमास, हिज्बुल्ला और हूती जैसे आतंकी गुटों के सफाये के लक्ष्य के साथ जंग लड़ रहा था, लेकिन ईरान के इजराइल पर हमला कर देने से जंग दो राष्ट्रों के बीच बदलने की स्थिति बन गई है। ईरान के हमले के बाद अमेरिकी सरकार ने आपात बैठक की है। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस की इजराइल में एंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया है, इजराइल का कहना है कि गुतारेस उसके प्रति पक्षपातपूर्ण रवैये से व्यवहार कर रहे हैं। चूंकि ईरान के हमले के बाद इजराइल की ओर से जवाबी हमले की आशंका बढ़ गई है, हालात विस्फोटक होने के आसार हो गए हैं। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोप, भारत, चीन, जापान जैसे प्रभुत्व रखने वाले देशों की भूमिका पश्चिम एशिया में शांति की पहल को लेकर बढ़ गई है। दुनिया रूस व यूक्रेन के बीच तीन वर्ष से जारी युद्ध का सामना पहले से ही कर रही है, अब इजराइल के हमास, हिज्बुल्ला, हूती के खिलाफ संघर्ष में ईरान की एंट्री हो जाने से इसके और व्यापक, हिंसक और घातक होने का खतरा बढ़ गया है। यह कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित करेगा। भारत के मध्य पूर्व के देशों के साथ करीब 180 अरब डॉलर के ट्रेड हैं, भारत कच्चा तेल खाड़ी व पश्चिम एशिया के देशों से ही प्राप्त कर रहा है, ईरान के साथ चाबहार पोर्ट डील है, इजराइल अच्छा दोस्त भी है और रक्षा आपूर्तिकर्ता भी है। मिडिल ईस्ट में करीब 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। हिज्बुल्ला के खिलाफ जंग के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी ने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ सीधे बातचीत की है और पश्चिम एशिया में शांति कायम करने के भारत के दृष्टिकोण से अवगत कराया है। बेशक इजराइल हमास के हमले के बाद बदले की कार्रवाई कर रहा है, वैसे ही करीब एक वर्ष से अधिक समय से हिज्बुल्ला इजराइल के साथ छद्म युद्ध कर रहा है, उसने मजबूर होकर हिज्बुल्ला के खिलाफ प्रतिक्रियात्मक हमला शुरू किया है। यमन के चरमपंथी गुट हुती भी हमास के समर्थन में इजराइल के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है। ईरान व इजराइल की अदावत पुरानी है, ईरान इजराइल से सीधे न टकराकर वर्षों से हमास, हिज्बुल्ला, हुती व सीरिया व इराक के शिया मिलिशिया के जरिये इजराइल से प्रॉक्सी वार लड़ रहा है। इस्लामी वर्ल्ड के अधिकांश देश इजराइल के प्रति दुश्मनी का भाव रखते हैं। इसलिए वे आतंकी गुटों की हिंसक हरकतों को भी शह देते नजर आते हैं, जो रवैया ठीक नहीं है। भारत ने हमेशा ही आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध किया है और इसे विश्व के लिए खतरा बताया है। आज आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की जरूरत है। भारत की चिंता मध्य पूर्व में भारतीयों की सुरक्षा भी है। इसलिए, पश्चिम एशिया में इजराइल व ईरान के अंध युद्ध को रोकने की आवश्यकता है।

विचार

आदि शक्ति

प्रमोद भार्गव

असीम ऊर्जा की प्रतीक देवी दुर्गा

दैवीय शक्तियां वे हैं, जो मनुष्य के अनुकूल हैं, अर्थात फलदायी हैं और आसुरी शक्तियां वे हैं, जो मनुष्य के प्रतिकूल हैं, अर्थात उसे हानि पहुंचाने में समर्थ हैं। नवरात्रों का आयोजन दो ऋतुओं की परिवर्तन की जिस वेला में होता है, वह इस बात का द्योतक है कि जीवन में बदलाव की स्वीकार्यता अनिवार्य है। नवरात्रों का आयोजन अश्विन मास के शुक्ल पक्ष में किया जाता है। शुक्ल पक्ष घटते अंधकार या अज्ञान का प्रतीक है, वहीं कृष्ण पक्ष बढ़ते अंधकार और अज्ञान का प्रतीक है। प्रति माह उत्सर्जित और विलोपित होने वाले यही दोनों पक्ष जीवन के सकारात्मक व नकारात्मक पक्ष की प्रवृत्तियां हैं। इन्हीं विरोधाभासी पक्षों में सामंजस्य बिठाने का काम दुर्गा के बहुआयामी रूप करते हैं।

भारत में देवी की पूजा वैदिक युग में ही आरंभ हो गई थी। ऋग्वेद के देवी सूक्तम में सभी देवताओं की आंतरिक शक्ति की बात कही गई है, जो ऊर्जा की प्रतीक है। हरिवंश पुराण में कालरात्रि, निद्रा और योगमाया के समन्वित रूपों के बारे में बताया है कि जब भगवान विष्णु नींद में होते हैं, तब देवी दुर्गा ही विश्व की सुरक्षा करती हैं। इसीलिए देवी कालरात्रि की काया का रंग घने अंधकार की तरह काला है और सिर के बाल बिखरे हुए हैं। गले में बिजली की तरह चमकने वाली माला डली है। इनकी तीन आंखें हैं। तीनों नेत्र ब्रह्मांड के सामान अंडाकार हैं। इन चक्षुओं से तीव्र विद्युत की किरणें निरंतर प्रवाहित होती रहती हैं। जो अक्षय ऊर्जा की द्योतक हैं। यही ऊर्जा सृष्टि में फैली हुई है। इसी ऊर्जा में भगवान शिव का अर्धनारीश्वर रूप दृष्टिगोचर होता रहता है। इस रूप के स्त्री रूप से आशय विज्ञान सम्मत मानव संरचना में एक्स तत्व से है और पुरुष रूप में वाय तत्व से है। अर्थात यह रूप स्त्री-पुरुष में समानता जताता है। भारतीय वांग्मय में काम-ऊर्जा को सबसे शक्तिशाली ऊर्जा माना गया। इसीलिए पुरुष में जब वाय गुणसूत्र की अधिकता होती है तो पुरुष और स्त्रियोचित गुण एक्स की अधिकता होती है तो स्त्री का जन्म होता है। दैवीय शक्तियां वे हैं, जो मनुष्य के अनुकूल हैं, अर्थात फलदायी हैं और आसुरी शक्तियां वे हैं, जो मनुष्य के प्रतिकूल हैं, अर्थात उसे हानि पहुंचाने में समर्थ हैं। नवरात्रों का आयोजन दो ऋतुओं की परिवर्तन की जिस वेला में होता है, वह इस बात का द्योतक है कि जीवन में बदलाव की स्वीकार्यता अनिवार्य है।

नवरात्रों का आयोजन अश्विन मास के शुक्ल पक्ष में किया जाता है। शुक्ल पक्ष घटते अंधकार या अज्ञान का प्रतीक है, वहीं कृष्ण पक्ष बढ़ते अंधकार और अज्ञान का प्रतीक है। प्रति माह उत्सर्जित और विलोपित होने वाले यही दोनों पक्ष जीवन के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष की प्रवृत्तियां हैं। प्रकृति से लेकर जीवन में हर जगह अंतर्विरोध व्याप्त है। इन्हीं विरोधाभासी पक्षों में सामंजस्य बिठाने का काम दुर्गा के बहुआयामी रूप करते हैं। मार्कंडेय पुराण में प्रकाश और ऊर्जा के बारे में कहा गया है कि 'देवों ने एक प्रकाश पुंज देखा, जो एक विशाल पर्वत के समान प्रदीप्त था। उसकी लपटों से समूचा आकाश भर गया था। फिर यह प्रकाश पुंज एक पिंड में बदलता चला गया, जो एक शरीर के रूप में अस्तित्व में आया। फिर वह कालांतर में एक स्त्री के शरीर के रूप में आश्चर्यजनक ढंग से परिवर्तित हो गया। इससे प्रस्फुटित हो रही किरणों ने तीनों लोकों को आलोकित कर दिया। प्रकाश और ऊर्जा का यही समन्वित रूप आदि शक्ति या आदि मां कहलाईं। छान्दोग्य उपनिषद में कहा गया है कि 'अव्यक्त से उत्पन्न तीन तत्वों अग्नि, जल और पृथ्वी के तीन रंग सारी वस्तुओं में अंतर्निहित हैं। अतः यही सृष्टि और जीवन के मूल तत्व हैं। अतएव प्रकृति की यही ऊर्जा जीवन के जन्म और उसकी गति का मुख्य आधार है।' इस अवधारणा से जो देवी प्रकट होती है, वही देवी महिषासुरमर्दिनी है।

इसे ही पुराणों में ब्रह्मांड की मां कहा गया है। इसके भीतर सौंदर्य और भव्यता, प्रज्ञा और शौर्य, मृदुलता और शांति विद्यमान हैं। चरित्र के इन्हीं उदात्त तत्वों से फूटती

ऊर्जा इस देवी के चेहरे को प्रगल्भ बनाए रखने का काम करती है। ऋषियों ने इसे ही स्त्री की नैसर्गिक आदि शक्ति माना है और फिर इसी का दुर्गा के नाना रूपों में मानवीकरण किया है। उपनिषदों में इन्हीं विविध रूपों को महामाया, योगमाया और योगनिद्रा के नामों से चित्रित व रेखांकित किया गया। इनमें भी महामाया को ईश्वर या प्रकृति की सर्वोच्च सत्ता मानकर विद्या एवं अविद्या में विभाजित किया गया है। विद्या व्यक्ति में आनंद का अनुभव कराती है, जबकि अविद्या सांसारिक इच्छाओं और मोह के जंजाल में जकड़ती है। विद्या को ही योगमाया या योगनिद्रा के नामों से जाना जाता है। योगमाया सृष्टि की वैश्विक व्यवस्था का प्रतीक है, जबकि योगनिद्रा सृष्टा की समाधि की अवस्था में आई निद्रा है। यह स्थिति चेतन अवस्था से अंधकार के क्षेत्र में प्रवेश को दर्शाती है, जो प्रलय की भी द्योतक है।

अंततः यही आदि शक्तियां क्षीर सागर में शेषशय्या पर लेटे भगवान नारायण, नारायण यानी जल में निवास करने वाले विष्णु को चेताती है कि समाधि के शून्य-भाव से जागो और अंधकारमयी विरोधी ताकतों से ब्रह्मांड को मुक्त कराओ। देवी की प्रकृति रूपी यही अवस्थाएं सत्व, रज और तम गुणों में रूपांतरित होकर सृष्टि को संतुलित बनाए रखने का काम करती हैं। इसीलिए देवी को असाधारण शक्ति कहा गया है। जब ब्रह्मांड में ऊर्जा का विघटन होता है तो आसुरी शक्तियां जागृत हो जाती हैं। ऊर्जा जब अव्यवस्थित हो जाती है, तब ध्वंसात्मक स्थितियों का निर्माण होता है। आज विध्वंसकारी वैज्ञानिक प्रयोगों के चलते दुनियाभर में ऊर्जा का ध्वंसात्मक रूप दिखाई दे रहा है। इस ऊर्जा को अक्षुण्ण बनाए रखने का काम ब्रह्मा, विष्णु, महेश करते हैं। देवी महात्म्य में कहा भी गया है कि देव और असुरों के बीच जब महायुद्ध हुआ तो वह सौ दिन तक चला। इस समय राक्षस महिश असुरों का राजा था और इंद्र देवताओं के अधिपति थे। इस संघर्ष में असुरों ने देवताओं को परास्त कर दिया। फलतः महिश देवों का भी सम्राट बन बैठा। पराजित देवता प्रजापति ब्रह्मा के नेतृत्व में विष्णु व शिव के पास गए और उन्होंने युद्ध और फिर पराजय का दुःखद वृत्तांत सुनाया। इसे सुनकर दोनों आक्रोश से लाल हो गए। विष्णु ने मुख खोला और उससे तीव्र गति से अक्षय ऊर्जा बाहर आई। ऐसा ही रोष ब्रह्मा और शिव ने ऊर्जा के रूप में मुख से प्रकट किया। अन्य देवों ने भी अपने मुखों से ऊर्जा छोड़ी। ऊर्जा के इस प्रवाह से नकारात्मक ऊर्जा सकारात्मक ऊर्जा में परिवर्तित होने लग गई। मुखों से उत्सर्जित इन ऊर्जा रूपी लपटों ने एक पर्वत का आकार ग्रहण कर लिया। इसी पर्वत से कात्यायनी प्रकट हुईं। दुर्गा का यही रूप महिषासुर मर्दिनी कहलाया। लीला भाव में यही दुर्गा चार पैरों के राजा सिंह की पीठ से टिककर खड़ी हैं। सिंह भी क्रूर शक्ति का प्रतीक है, लेकिन उसे वश में कर लिया गया है। देवी अराजक महिश के शरीर को रौंद रही हैं। महिश शक्तिशाली तो है, लेकिन उसका आचरण क्रूर है, इसलिए वह ब्रह्मांड के आध्यात्मिक आधार के अनुकूल नहीं है।

यही कारण है कि कात्यायनी महिश को पददलित कर उसके अहंकार को चूर-चूर कर देती हैं। महिश के प्राण हरने के बाद कात्यायनी महिषासुर-मर्दिनी कहलाती हैं। इसीलिए इन्हें ब्रह्मांड की जननी कहा गया, जो पृथ्वी की प्रतीक है। ऋग्वेद में कहा है कि 'ज्ञान के सभी विषय और क्रियाकलाप अंततः देवी के रूप हैं। आरंभ से लेकर अब तक नारियां मां का रूप हैं। नारी के मातृत्व की डिंब में स्थित इस ऊर्जा को प्रजापति ब्रह्मा ने स्वयं विभाजित करके मानव के अस्तित्व को सृजित किया था। वह नारी ही है, जो अपनी ऊर्जा से मनुष्य को मनुष्यतत्व प्रदान करती है। साफ है, भगवती दुर्गा मूल प्रकृति का वह रूप है, जिसमें समस्त शक्तियां समाहित हैं।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

सब प्राणियों का मार्गदर्शन करती हैं मां जगदंबा

इस जगत की प्रत्येक वस्तु, चर या अचर का मूल स्रोत एक निगूढ़ शक्ति है, जो तर्क और बुद्धि की सीमा के परे है! कोई पूछे कि यह शक्ति स्त्रीलिंग है या पुल्लिंग, तो उत्तर के स्त्रीलिंग होने की संभावना अधिक है। जैसे एक नए जीवन को गढ़ने के लिए सहनशीलता, धैर्य, करुणा और क्षमता एक मां में ही होती है, वैसे ही विश्वमातृत्व की अनंत शक्ति ही इतने महत एवं विशाल जगत को जन्म दे सकती है। नवरात्र में. पहले तीन दिन दर्गा देवी की

संकलित

दर्शन

उपासना की जाती है, फिर अगले तीन दिन लक्ष्मी देवी की और अंतिम के तीन दिन सरस्वती देवी की! देवी के ये तीन रूप क्रमशः तीन गुणों के प्रतीक हैं-तमोगुण, रजोगुण और सतोगुण। यहां हम आश्चर्य में पड़ सकते हैं कि दुर्गा देवी तम की प्रतीक क्यों? भौतिक जगत में रहते हुए थोड़े-बहुत तमोगुण की भी आवश्यकता होती है। तमस पर्याप्त न हो तो हम ठीक से सो भी नहीं पाएंगे। आज कितने लोग अनिद्रा से ग्रस्त नींद की गोलियों के आदी हैं? क्यों उन्हें ठीक से नींद नहीं आती? क्योंकि उनके शरीर में तमस की कमी है। अतः वे अपने शरीर में कृत्रिम रूप से तमस का निर्माण करते हैं! बीच के तीन दिन, देवी की पूजा लक्ष्मी रूप में होती है-रजोगुण के रूप में, जिसकी आवश्यकता किसी भी कार्य को करने में होती है। पैसा कमाना हो, चाहे कोई इच्छा पूरी करनी हो। शरीर में अत्यधिक या अति न्यून रजोगुण होना भी समस्याएं खड़ी करता है। अत्यधिक रजोगुण होगा तो ठीक से सोच भी नहीं सकते और शांति-विश्रांति भी दूर रहती है।

मूर्ख साधू और ठग

किसी गांव के मंदिर में देव शर्मा नाम का एक प्रतिष्ठित साधू रहता था। उसे अपने भक्तों से दान में तरह- तरह के वस्त्र, उपहार, खाद्य सामग्री और पैसे मिलते थे। उन वस्त्रों को बेचकर साधू ने काफी धन जमा कर लिया था। वह अपने धन को एक पोटली में रखता था और उसे हमेशा अपने साथ लेकर ही चलता था। उसी गांव में एक ठग रहता था। ठग हमेशा साध का पीछा किया करता था. लेकिन साध उस गठरी को कभी अपने से

संकलित

प्रेरणा

अलग नहीं होने देता। उसने साधू से मिन्नत की कि वह उसे अपना शिष्य बना ले क्योंकि वह ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। साधू तैयार हो गया और इस तरह से वह ठग साधू के साथ ही मंदिर में रहने लगा। ठग मंदिर की साफ सफाई से लेकर अन्य सभी कार्य भी करता था। एक दिन साधू को पास के गांव में एक अनुष्ठान के लिए आमंत्रित किया गया, साधू ने वह आमंत्रण स्वीकार किया और निश्चित दिन साधू अपने शिष्य के साथ अनुष्ठान में भाग लेने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में एक नदी पड़ी और साधू ने स्नान करने की इच्छा व्यक्त की। उसने पैसों की गठरी को एक कम्बल के भीतर रखा और उसे नदी के किनारे रख दिया। उसने ठग से सामान की रखवाली करने को कहा और खुद नहाने चला गया। ठग को तो कब से इसी पल का इंतज़ार था। जैसे ही साधू नदी में डुबकी लगाने गया, वह रुपयों की गठरी लेकर चम्पत हो गया। शिक्षाः किसी अजनबी की चिकनी चुपड़ी बातों में आकर ही उस पर विश्वास नहीं कर लेना चाहिए।

बरुण सखाजी

सड़कों से गांवों तक पहुंचने की कोशिश, यह कोई बात बुरी तो नहीं

बीते कुछ वर्षों से विपरीत दलों की सरकारों में आपसी अदावत बढ़ी है। इस अदावत के लिए कौन जिम्मेदार है, सब जानते हैं। हर दल अपने आपको लोकतंत्र का पहरूआ बता रहा है। लेकिन इस अहंकार को नहीं छोड़ पा रहा कि वह विपक्ष में भी बैठ सकता है। 2014 के बाद से ऐसी अदावतें बढ़ी हैं। इसका कारण साफ है, सदा सत्ता मे रहने का अहंकार। जनता की राय का अपमान। साठ साल तक राज करके ऐसा स्वभाव हो जाना स्वभाविक भी है, किंतु चुनावी लोकतंत्र में इसे जितने जल्दी हो समझ लेना चाहिए। आज हैं कल नहीं हैं, कल रहेंगे परसों नहीं होंगे। जनता जिसे चाहेगी वही बैठेगा और वह वैसा ही करेगा जैसा करने के लिए उसे चुना गया है। छत्तीसगढ़ में इस बात को ठीक से समझ लिया गया है। जमीन पर महसूस किया जा रहा है। कहीं कोई चूक न हो पाए इसलिए जनता को सबसे ऊपर जानकर उससे किए वादों को पूरा किया जा रहा है। आलोचना की जा सकती है, किंतु धैर्यपूर्वक देखेंगे तो समझ आएगा आलोचना बेवजह है। चूंकि जो कहा वह करना और वह करके दिखाना ही सफल सियासत और राजनेता की पहचान है। बदले हुए दौर में समझ लेना होगा, लोगों को गुमराह करना अब संभव नहीं है।

साल 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़ में भाजपा की विजय वास्तव में बदले जनमत का ही प्रमाण है। इसमें भी सरकार संचालन के लिए ऐसे व्यक्तित्व का चयन बड़ी चुनौती थी, जिसकी स्वीकार्यता, अनुभव, विनम्रता, मिलनसारता, सियासत की समझ, विकास के कार्यों के प्रति सकारात्मक रवैया और टीम को लेकर चलने का हुनर हो। इस मामले में मोदी की गारंटी और मोदी का चयन दोनों को मानना ही पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का महकमा यूं तो देशभर में सड़कों की सुंदरता, मजबूती और सुलभता के लिए जाना जाता है। लेकिन इसमें भी छत्तीसगढ़ के लिए दिल खोल देना महत्वपूर्ण बात है। सड़कों का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है। 2018 तक प्रदेश में सड़कों का निर्माण सामान्यतः अच्छी रफ्तार से चल रहा था, किंतु बाद के कुछ वर्ष जैसे काम रुक गया। न गलियों में निर्माण हो रहा था, न गांवों में। जो नेशनल हाईवे भी बन रहे थे तो उन्हें भी स्टेट लेवल के क्लीयरेंस गैर प्राथमिकता में मिलता था। यानि मिल गया तो मिल गया नहीं तो किसी को पड़ी नहीं थी। परंतु अब ऐसा नहीं है।

नए दौर में सड़कों को लेकर सरकार आंतरिक रूप से स्पष्ट है। वह मानती है, भले ही कितनी ही रफ्तार से समाज में बदलाव हो रहे हों, लेकिन सड़क, बिजली, पानी मूलभूत जरूरतें बनी रहेंगी। जो भी सरकार इनसे खिलवाड़ करेगी, उसे भुगतना पड़ेगा। इस बात को जो राजनीतिक दल सत्ता में रहते ही समझ जाए वह समझदार, अन्यथा अहंकार तो कोई भी कुर्सियों पर विराजते ही पाल ही लेते हैं। प्रदेश की दुखती रग रहा है जशपुर, पत्थलगांव रोड, केशकाल का घंटो जाम को मजबूर टेढ़ामेढ़ा रास्ता, बस्तर को और दूर करता धमतरी-जगदलपुर का रास्ता। बस्तर के अन्य आंतरिक रास्ते, सरगुजा के भीतरी इलाकों के रोड, बिलासपुर संभाग में आने वाले जिलों की सड़कें। यह सब चीख-चीखकर कह रही हैं इनका निर्माण जरूरी है। वर्तमान सरकार ने सारी बातों को मजबूती से रखा। मुख्यमंत्री ने पूरी सच्चाई से गडकरी से सहयोग मांगा। विभागीय मंत्री ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। पैसा भी मिला, समय-सीमा का वादा भी मिला और प्रदेश की ओर से वचनबद्धता भी दी गई। यही होना चाहिए। केंद्र बड़प्पन दिखाता है और प्रदेश अपने गरिमा और आवश्यकता के अनुरूप काम करते हैं। वाद-विवाद की कोई जगह नहीं होती।

छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ वर्षों में विवाद ने स्थान लिया था। असहमतियों का भ्रम खड़ा किया गया। संकुचित राजनीतिक सोच के चलते टकराव पैदा किए गए। अब यह सब खत्म हो गए हैं। नतीजे में प्रदेश को हजारों करोड़ की सड़कें मिल रही हैं। यह सड़कें एक ही दल की केंद्र और प्रदेश में सरकार होने से भी मिल रही हैं। संभवतः इसे ही डबल इंजन की सरकार कहा गया था। सड़कों के जरिए गांवों तक पहुंचने की कोशिश, कोई बात बुरी तो नहीं है। क्या इसकी भी आलोचना करेंगे आप? *-लेखक राजनीतिक विश्लेषक*

अंतर्मन

आज की पाती

सत्य और असत्य की पहचान

जब हम कोई गलत काम करते हैं या गलत का साथ देते हैं, तो उसका प्रभाव हम पर भी पड़ता है। एक बार श्री कृष्ण जी से कर्ण ने पूछा, मेरी मां ने जन्म देते ही मुझे त्याग दिया, द्रोणाचार्य ने मुझे शिक्षा नहीं दी, परशुराम जी ने भी मुझे श्राप दिया कि मैं अपनी विद्या भूल जाऊं। द्रौपदी के स्वयंवर में मुझे अपमानित किया गया। ऐसा होने पर अगर मैं दुर्योधन का साथ दे रहा हूं, तो इसमें गलत क्या है? कर्ण के सवालों का जवाब देते हुए, श्री कृष्णजी बोले सबके जीवन में कठिनाइयां होती है, लेकिन सत्य और असत्य की पहचान हमें विवेक से करनी चाहिए, बेशक हमारे साथ अन्याय ही क्यों न हुआ हो। हमें कभी भी गलत का साथ नहीं देना चाहिए, दुर्योधन अधर्म के रास्ते पर था, तुम्हें उसका साथ नहीं देना चाहिए था। *- मिलिंद जोशी, रायपुर*

ट्रेंड

स्वच्छ भारत के दस साल

आज हम 'स्वच्छ भारत के दस साल' का जश्न मना रहे हैं, जो भारत को स्वच्छ बनाने और बेहतर स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण सामूहिक प्रयास है। मैं उन सभी को सलाम करता हूं जिन्होंने इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए काम किया है!

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

टिम वाल्ज़ जैसे नेता जरूरी

आज की बहस इस बात की याद दिलाती है कि इस चुनाव में क्या दांव पर लगा है। यह पूरे देश में कामकाजी परिवारों और अमेरिकियों के लिए वास्तविक समाधानों पर केंद्रित है। हमें टिम वाल्ज़ जैसे नेताओं की जरूरत है जो प्रगति के लिए लड़ेंगे।

-बराक ओबामा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

भारतीयों को वापस लाएं

इज़राइल और ईरान के बीच युद्ध जैसी स्थिति है। भारत के कई परिवार चिंतित हैं क्योंकि उनके परिजन इन देशों में काम कर रहे हैं। मैं भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि जो भी भारतीय वापस आना चाहें, उन्हें वापस लाने की व्यवस्था करें।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

स्वदेशी की सोच

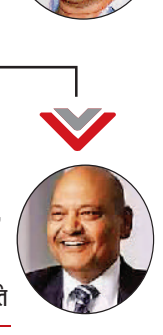

गांधी जी की शिक्षा आज भी हमारे जीवन को आकार देती है। आज के दौर में जब हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहे हैं, उनकी स्वदेशी की सोच हमें लगातार प्रेरित कर रही है।

-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

करंट अफेयर

बीजिंग में गांधी जयंती पर चीनी कलाकारों की प्रस्तुति

चीन के विशाल चाओयांग पार्क में बुधवार को गांधी जयंती मनाई गई, जिसमें स्थानीय स्कूली बच्चों ने मंदारिन भाषा में उनकी शिक्षाओं का उल्लेख किया और बीजिंग के कलाकारों ने उनके पसंदीदा भजन पर ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया। बीजिंग का मनोरम चाओयांग पार्क चीनी स्कूली बच्चों के एक समूह द्वारा मंदारिन भाषा में उनके उपदेशों के पाठ से जीवंत हो उठा। इस पार्क में 2005 में प्रसिद्ध चीनी मूर्तिकार प्रो. युआन शिकुन द्वारा बनाई गयी महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। इसके बाद बीजिंग की प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना झांग जिंगहुई और उनके दल द्वारा 'वैष्णव जन तो' पर एक भावपूर्ण ओडिसी नृत्य प्रस्तुति दी गई। भारतीय समुदाय ने नाटक "अहिंसा : गांधी मार्ग" का मंचन किया, जिसका निर्देशन और लेखन क्रमशः केतकी ठाकर और आयुषी सुगंधी ने किया। राजदूत प्रदीप कुमार रावत के नेतृत्व में भारतीय राजनयिकों के अलावा मालदीव में चीनी राजदूत डॉ. फजील नजीब, बीजिंग स्थित भारतीय प्रवासी और महात्मा गांधी के स्थानीय प्रशंसकों ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। रावत ने अपने भाषण में महात्मा गांधी की प्रतिमा बनाने के लिए प्रोफेसर युआन शिकुन की सराहना की।

ऑफ बीट

दुनिया के सबसे ताकतवर व्यक्ति पर हुआ अध्ययन

दुनियाभर की कई संस्कृतियों में किसी के 'अलौकिक' ताकत हासिल करने को लंबे समय से अच्छा माना जाता रहा है। इतिहास को दर्ज किए जाने की शुरुआत से पहले से लेकर आज तक शिकार, बड़ी इमारतों व स्मारकों का निर्माण, युद्ध और खेल समेत जीवन के कई पहलुओं में शारीरिक तंदरुस्ती का महत्व झलकता है। मानव शक्ति और सामर्थ्य का वर्तमान शिखर संभवतः ताकतवर लोगों यानी 'स्ट्रांगमैन'' के खेल में प्रदर्शित होता है। ताकतवर लोगों की प्रतियोगिताएं अधिक आम होती जा रही हैं। विभिन्न आयु और क्षमता के पुरुष व महिलाएं अब क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। स्ट्रांगमैन के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं में आमतौर पर पारंपरिक 'बारबेल' आधारित व्यायाम जैसे 'स्क्वाट्स', 'डेडलिफ्ट्स' और 'प्रेस' शामिल होते हैं, लेकिन इसके अलावा विशिष्ट स्ट्रांगमैन स्पर्धाएं भी आयोजित की जाती हैं। विशिष्ट स्ट्रांगमैन स्पर्धाओं में अक्सर प्रतियोगियों को अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में एक निश्चित समयावधि में कई प्रकार के अजीब, भारी उपकरणों पर ताकत आजमानी होती है।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह
सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

तनाव से भी होती है भूलने की समस्या

मेरी उम्र 53 वर्ष है। कुछ समय से मुझे बातों और घटनाओं को याद रखने में समस्या आ रही है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-सुशील, भोपाल

आपने जो समस्या बताई है, वह अल्जाइमर का लक्षण भी हो सकता है, लेकिन बगैर जांच किए हुए कुछ भी कहना मुश्किल है। हालांकि आजकल तनाव की वजह से भी इस तरह की समस्या देखी जाती है। पहले आप इस बात पर गौर करें कि क्या कुछ समय से तनाव ज्यादा ले रहे हैं, अगर ऐसा है तो पहले तनाव से रिलैक्स हों, उसके बाद भी समस्या रहती है तो जरूर आप एक बार न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मैं नाइट शिफ्ट जॉब करता हूं, सो रात में सो नहीं पाता हूं। इस वजह से मूड उखड़ा सा और सिर भारी रहता है। मुझे क्या करना चाहिए?

-अक्षत, रोहतक

अब आपको अपना रूटीन वैसे ही रखना होगा, जैसे डे शिफ्ट में काम करने वाले रखते हैं। मतलब, आप ड्यूटी करने के बाद नाश्ता लें, उसके बाद 6 से 7 घंटे की नींद ले फिर खाना खाएं। रात में ऑफिस में डिनर करें। इस तरह आपकी रूटीन में 4 मील्स होने चाहिए। लंच, डिनर, ब्रेकफास्ट और हाई टी। किसी भी तरह आप इस रूटीन को फॉलो करने की कोशिश करें। इससे ही आपका शेड्यूल ठीक होगा।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। मैंने 5 महीने पहले हेयर ट्रांसप्लांट कराया था। पिछले कुछ दिनों से सिर में ईचिंग और इरिटेशन शुरू हो गई है। अब मुझे क्या करना चाहिए?

-दिव्येंदु, रायपुर

आप इस बात पर गौर करें कि क्या पिछले कुछ दिनों में आप बाहर गए हैं या फिर आप जिस पानी से सिर धोते होते हैं या नहाते हैं, उस पानी में कोई बदलाव आया है? कई बार ग्राउंड वाटर या सप्लाई के पानी में गंदा पानी मिक्स होकर आने लगता है, जिससे स्किन संबंधी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। पहले आप इस बात पर गौर करें, अगर यह सब कुछ सामान्य है तो जरूर एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मेरा वजन 110 किलो है। वेट लूज करने के लिए मैं कुछ महीने जिम भी गया, लेकिन कोई खास फर्क नहीं पड़ा। मैं जानना चाहता हूं, क्या सर्जरी करवाना मेरे लिए सेफ रहेगा?

-एक पाठक, ईमेल से

जैसा आप बता रहे हैं कि वेट लूज करने के लिए जिम गए लेकिन वेट कम नहीं हुआ। जिम जाने के साथ खान-पान में आपको चेंज लाने होंगे। आलू, चावल और मैदा बिल्कुल छोड़ना होगा। मीठा खाना बंद करना होगा। इसके साथ ही तला-भुना और बाजार का खाना भी छोड़ना होगा। बेहतर होगा कि आप इसके लिए किसी डाइटिशियन से संपर्क कर लें। वे आपको पूरा डाइट प्लान बता देंगे, जिसके अनुसार आप खाना खाएं। अगर इसके बाद भी वजन कम नहीं होता तो जरूर आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। मेरे जोड़ों में बहुत दर्द रहता है। चलने पर यह दर्द और भी बढ़ जाता है। कृपया मेरी इस समस्या का उचित समाधान बताएं।

-बृजमोहन, बिलासपुर

उम्र बढ़ने के साथ कई लोगों में इस तरह की समस्या बढ़ जाती है। शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी होने लगती है। इसलिए आप दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स का सेवन करें। जरूरत पड़े तो विटामिन डी की दवा डॉक्टर से पूछ कर ले सकते हैं। इसके अलावा नियमित रूप में आप हल्का-फुल्का व्यायाम और सैर करें। इससे आराम नहीं मिलता तो एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

अवेयरनेस

किरण भास्कर

स्वस्थ शरीर के लिए हमें कुछ पोषक तत्वों की जरूरत होती है। लेकिन शरीर के लिए जरूरी संपूर्ण पोषण पाने के लिए कई तरह के खाद्य लेने के बजाय आप कुछ ऐसे अनाज और फल का सेवन कर सकते हैं, जिन्हें न्यूट्रिशन का पावर हाउस माना जाता है। यहां हम आपको चना, सोयाबीन और आंवला की पौष्टिकता और उनके सेवन के फायदों के बारे में बता रहे हैं।

न्यूट्रिशन के पावर हाउस आंवला-सोयाबीन-चना

हमारे स्वस्थ शरीर और निरोग जीवन में पोषण का बहुत महत्व होता है। उचित पोषण की बदौलत ही बच्चों का भरपूर विकास होता है। उचित पोषण मिलने पर ही हमारा वजन, हमारी उम्र और हमारे शरीर के अनुरूप होता है। उचित पोषण के चलते ही हमें हमारे खाए गए भोजन से जरूरी कैलोरी, फाइबर, वसा आदि महत्वपूर्ण पोषक तत्व मिलते हैं और हम हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियों से बचे रहते हैं। जब हम उचित पोषण की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह होता है कि हम जो भोजन खा रहे हैं, उसमें वो सारे पोषक तत्व मौजूद हों, जो हमें स्वस्थ रहने के लिए जरूरी हों, क्योंकि पौष्टिक तत्वों से ही हमें अपने रोजमर्रा की जिंदगी को सुचारु रूप से चलाने के लिए जरूरी ऊर्जा हासिल होती है। इसी से हमारी जैविक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती हैं। लेकिन पौष्टिकता एक भारी-भरकम शब्द है, इसको सुनते ही हमें लगने लगता है कि हमें ढेर सारे ड्राई फ्रूट्स खाने चाहिए, जबकि ऐसा नहीं है। उचित पोषण के लिए जरूरी नहीं है कि हम बहुत महंगे फल या मेवे खाएं। हम दो अनाजों और एक सामान्य फल के बदौलत भी भरपूर पौष्टिकता हासिल कर सकते हैं।

सुपर फ्रूट आंवला

आज के दौर में हर कोई उन फलों और सब्जियों की तलाश में रहता है, जो हमारे लिए इम्यूनिटी बूस्टर होते हैं। इसीलिए इन दिनों आंवले की खूब मांग है,क्योंकि विटामिन सी का भंडार होने के नाते यह फल बहुत बड़ा इम्यूनिटी बूस्टर माना जाता है। आंवले को इसके गुणों के चलते 'सुपर फ्रूट' कहते हैं। विटामिन सी से भरपूर होने के कारण यह जहां हमें सर्दी-जुकाम जैसी परेशानियों से बचाता है, वहीं यह आंखों की रोशनी के लिए भी बेहतर होता है। एंटीऑक्सीडेंट्स होने की वजह से यह हमारी स्किन के लिए बहुत गुणकारी होता है। फैटी लिवर जैसी समस्याओं में भी आंवला का सेवन बेहद लाभदायक है।

ऐसे करें सेवनः हम लोग अकसर आंवले को इसके गुणों के लिए नहीं बल्कि अपने स्वाद के लिए खाते हैं। इसलिए आंवले को सबसे ज्यादा अचार, मुरब्बा, कैंडी के रूप में ही खाया जाता है, जबकि विभिन्न सेहत संबंधी फायदे पाने के लिए इसे कच्चा खाना चाहिए। इसे लोहे के चाकू से काटने पर भी इसके गुण बदल जाते हैं या कम असरकारी रह जाते हैं। इसलिए इसे दांत से काटकर खाना चाहिए। दांतों से ना खा सकें तो स्टील की छूरी से काटकर तुरंत खाएं। इसे उबालने से इसके गुण कम या बिल्कुल खत्म हो जाते हैं। हर दिन सिर्फ एक आंवला खाने से शरीर में विटामिन-सी की भरपूर पूर्ति हो जाती है। सेहत ही नहीं सुंदरता बढ़ाने ले लिए भी आंवला खाना अच्छा होता है। सुबह खाली पेट खाने पर यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल देता है और बॉडी की क्लींजिंग करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटमिन सी शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। सर्दी-खांसी से बचने के लिए ठंड के मौसम में आंवला जरूर खाना चाहिए। जिन लोगों की आंखें कमजोर हैं, उन्हें भी इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

प्रोटीन का भंडार सोयाबीन

सोयाबीन में लगभग 42 प्रतिशत प्रोटीन, 20 प्रतिशत वसा, 30 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, आयरन और विटामिन पाया जाता है। इसलिए गर्भवती या दूध पिलाने वाली महिला के खान-पान में सोयाबीन को शामिल करने की सलाह डॉक्टर देते हैं। वास्तव में सोयाबीन कम वसायुक्त और उत्तम गुणवत्ता वाली प्रोटीन का बेहतर स्रोत है। इसलिए सोयाबीन खासतौर पर उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण होता है, जो मांस, मछली नहीं खाते और उनके लिए भी जो दुग्ध और डेयरी उत्पादों से परहेज करते हैं। सोयाबीन फाइबर प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ शरीर की पाचन क्रिया को सुचारु रूप से चलाने में सहायक होते हैं। इन्हें खाने से कब्ज से बचाव होता है। सोयाबीन में पाया जाने वाला पोटैशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, विटामिन बी2, बी1, विटामिन ई आदि हमारे शरीर को स्वस्थ बनाए रखता है।

ऐसे करें सेवनः सोयाबीन को खाने से पहले इसमें मौजूद एंटी ट्रिपसिन तत्व निकाल देना चाहिए क्योंकि यह प्रोटीन के पाचन में बाधक होता है। इसके लिए सोयाबीन को साफ करके पानी में भिगोएं। 8-10 घंटे के बाद हाथ से रगड़कर छिलका निकाल दें। साफ पानी से धोकर 10-15 मिनट उबालें और धूप में अच्छी तरह सुखाकर इसे आटे के साथ पिसवाकर उपयोग में लाया जा सकता है। सोयाबीन से बना दही बेहद पौष्टिक होता है। इसे बनाने के लिए पहले सोयाबीन को हल्का भून लें। ठंडा होने पर पानी में भिगो दें। इसे 8-10 घंटे तक भिगोएं। इसके बाद इसे पीसकर इसकी पिट्ठी को उबले पानी में मिला दें और थोडी देर उबालें। ठंडा होने पर इसमें थोडा बेकिंग पावडर, चीनी और चूने का पानी मिला दें। थोड़ी पिसी इलायची भी डाली जा सकती है। इस विधि से बने दूध में थोड़ा दही लगाकर इसकी पौष्टिक दही तैयार की जा सकती है।

आजकल सोयाबीन की दही को जमाकर तैयार टोफू भी बाजार में मिलता है। इसे पनीर के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह कड़े और मुलायम दोनों रूपों में मिलता है। सोयाबीन का दूध बनाने के लिए इसे विभिन्न विधियों से पीसकर तैयार किया जाता है। यह प्रोटीन युक्त दूध बेहद पौष्टिक होता है। इसमें कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। सोयाबीन से तैयार आटे से बिस्कुट भी तैयार किए जाते हैं। बच्चों को सोयाबीन का दूध पीना फायदेमंद होता है। *

भीगा हुआ काला चना

भीगा हुआ काला चना, ऐसा ही पौष्टिकता से भरपूर मोटा अनाज है, जिसे हम कंप्लीट डाइट भी कह सकते हैं। पोषण विशेषज्ञ कहते हैं कि भले भीगे हुए काले चने को किसी ने कंपलीट डाइट ना कहा हो, लेकिन इसमें जिस कदर पौष्टिक तत्वों की भरमार होती है, वह कंपलीट डाइट से भी कहीं बढ़कर है। यही वजह है कि घर से दूर रहकर पढ़ने वाले छात्रों, अकेले रहकर नौकरी करने वाले युवाओं और किसी भी वजह से अकेले रहने वाले शख्स को खान-पान के विशेषज्ञ भीगे हुए काले चने खाने का सुझाव देते हैं, क्योंकि

यह उनकी बहुत सारी स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा कर देता है।

मिलते हैं ये फायदेः रात भर भिगोकर सुबह खाए जाने वाले काले चने में दर्जनों गुण होते हैं। यह हमें भरपूर एनर्जी देता है। वजन को कंट्रोल में रखता है। यह फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, इसलिए भीगे हुए काले चने खाने के बाद घंटों भूख नहीं लगती है। काले चने में भरपूर कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर और बहुत से अन्य जरूरी तत्व होते हैं। नियमित तौर पर भीगे हुए काले चने खाने से बॉडी स्ट्रान्ग बनती है, रोजाना खाने से कमजोरी दूर होती है, क्योंकि इसमें प्रोटीन भी अच्छी-खासी मात्रा में होता है। इसलिए जिसे भी बॉडी बनानी हो और मेवे उसकी पहुंच से दूर हों तो काला चना उपयुक्त विकल्प होता है। इस तरह देखें तो काला चना ना सिर्फ अपने आप में कंप्लीट डाइट है बल्कि यह पौष्टिकता का भंडार या कहें पावर हाउस है।

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'श्रीमद् रामायण' में लक्ष्मण की भूमिका में बसंत भट्ट नजर आ रहे हैं। वे सीरियल में काफी फिट दिख रहे हैं। फिटनेस को मेंटेन करने के लिए बसंत किन बातों का ध्यान रखते हैं, **हरिभूमि** को बता रहे हैं अपनी ज़ुबानी।

अच्छी हेल्थ-फिटनेस से बूस्ट होता है कॉन्फिडेंस

फिटनेस फंडा

बसंत भट्ट

अच्छी लाइफ के लिए हेल्दी-फिट रहना मैं सिर्फ जरूरी मानता ही नहीं, बल्कि जानता भी हूं कि शरीर को फिट रखना हमारी प्रमुख जिम्मेदारियों में से एक है। लेकिन फिट रहने के सबके अपने-अपने मायने हो सकते हैं। अच्छी लाइफ के लिए तो बहुत सी चीजों में बैलेंस लाना होता है, लेकिन अच्छी फिटनेस उस अच्छी लाइफ को पूरी तरह से एंजॉय करने में मदद करती है।

कोई नहीं फिटनेस आइडियल

जहां तक फिटनेस आइडियल का सवाल है तो मेरा कोई एक फिटनेस आइडियल नहीं है। सबसे ज्यादा मोटिवेशन मुझे फुर्तीले लोगों और जंतुओं को देखकर मिलता है। उदाहरण के तौर पर, आप एक बिल्ली को देख लीजिए। आमतौर पर बड़ी सुस्त और आलसी नजर आती हैं, पर जब भी उसे अपना काम करना होता है, उससे ज्यादा फुर्तीला और कोई भी नहीं दिखता है।

स्लिम-ट्रिम दिखना क्यों जरूरी

हेल्दी, स्लिम और ट्रिम दिखना मैं जरूरी इसलिए मानता हूं क्योंकि बहुत हद तक यह आपके कॉन्फिडेंस को बूस्ट करता है। इसलिए इसकी अपनी इंपोर्टेंस है। इसके अलावा हेल्दी और एनर्जेटिक फील करना भी सभी पसंद करते हैं। पर अगर दोनों में से किसी एक का चुनाव करना हो तो मैं एनर्जेटिक फील करना ज्यादा पसंद करूंगा। क्योंकि मेरी फिटनेस का मुख्य उद्देश्य लोगों को दिखाना नहीं है कि मैं कितना फिट हूं। इससे उतना फर्क नहीं पड़ता कि लोग मेरी फिटनेस के बारे में क्या सोचते हैं, बल्कि फर्क पड़ता है एक अच्छी लाइफस्टाइल न होने से। हमेशा एनर्जेटिक फील करना मेरी प्राथमिकता होती है। मैं पसंद करता हूं कि जब भी मैं कोई काम करूं, पूरी ऊर्जा के साथ करूं, चाहे वह सबसे छोटा काम ही क्यों न हो। मुझे कोई भी काम आधे-अधूरे मन से करना पसंद नहीं है। इसलिए एनर्जेटिक फील करना मेरे लिए बहुत जरूरी है। इसीलिए इसके लिए जरूरी हर प्रयास करता हूं।

डेली डाइट प्लान

मेरा डेली का कोई स्पेशल डाइट प्लान नहीं होता है। मैं घर का बना सामान्य खाना ही पसंद करता हूं। पर मेरी कोशिश रहती है कि मैं तभी खाना खाऊं, जब मुझे भूख पूरी तरह से लग जाए। मैं खाने के सेट टाइमिंग्स में विश्वास नहीं करता। मेरे हिसाब से शरीर को अपनी क्लॉक पता होती है और वो उस हिसाब से आपको सिग्नल देता रहता है। उसके अलावा, मैं खाने को अच्छी तरह से चबाकर, धीरे-धीरे खाना पसंद करता हूं और जितनी मुझे भूख हो, उतना ही या उससे थोड़ा सा कम खाना पसंद करता हूं, ताकि मैं हल्का और एनर्जेटिक बना रहूं। मैं लंच और डिनर को ही अपनी बड़ी मील बनाता हूं और उसके बीच कुछ भी खाना अवॉयड करता हूं। किसी दिन बहुत फिजिकल एक्टिविटी कर लेता हूं तो नाश्ता भी कर लेता हूं।

वर्कआउट शेड्यूल

डेली एक्सरसाइज करने के लिए मेरा कोई फिक्स्ड समय नहीं है। बस सुबह के समय कभी-कभी घर पर 10 मिनट फ्रीहैंड वर्कआउट कर लेता हूं। उसके अलावा, मुझे आउटडोर स्पोर्ट्स फिटनेस के लिए बहुत अच्छा ऑप्शन लगता है, पर शूटिंग शेड्यूल के बीच ऐसा नहीं हो पाता है। वैसे मैं वॉक करना काफी पसंद करता हूं। खासकर खाना खाने के बाद, कम से कम 10-15 मिनट वॉकिंग करता हूं। फिटनेस में मुझे सबसे ज्यादा मदद मेरा हेल्दी माइंड करता है। मुझे लगता है कि एक अनफिट माइंड, बॉडी को भी फिट नहीं रहने देता, इसलिए अगर माइंड फिट होगा तो बॉडी भी फिट हो जाएगी।

मेंटल फिटनेस एफर्ट

मेंटली फिट रहने के लिए, मैं ब्रीदिंग एक्सरसाइज करता हूं और ऐसी किताबें पढ़ता हूं, जो मुझे बिजी रखें और मुझमें पॉजिटिविटी भरें। अपनी अवेयरनेस को बढ़ाने की कोशिश करना भी मुझे मेंटली फिट रहने में बहुत मदद करता है। *

प्रस्तुतिः सेहत डेस्क

हेल्थ न्यूज

बढ़ते प्रदूषण-तापमान से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

बढ़ते वायु प्रदूषण और धूम्रपान की वजह से लोगों में ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है और वे असमय मौत के शिकार बन जाते हैं। लेकिन हाल ही में हुए एक शोध में पाया गया है कि बढ़ते तापमान की वजह से भी लोग ब्रेन स्ट्रोक के शिकार बन रहे हैं। अमेरिकी वैज्ञानिकों के द्वारा किए गए शोध में पाया गया है कि धूम्रपान की तरह बढ़ते वायु प्रदूषण और बढ़ते तापमान से भी ब्रेन स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। शोध में पहली बार वायु प्रदूषण और तापमान को ब्रेन हेमरेज के लिए समान खतरे के रूप में पाया गया। सबरावनॉइड हेमरेज तब होता है, जब दिमाग और इसे कवर करने वाले ऊतकों के बीच नसें फट जाती हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण और तापमान के बारे में यह शोध यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में किया गया। द लैंसेट न्यूरोलॉजी जर्नल में छपे शोध के अनुसार दुनिया में ब्रेन स्ट्रोक से मौतों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके लिए वायु प्रदूषण, बढ़ते तापमान, उच्च रक्तचाप और शारीरिक निष्क्रियता को जिम्मेदार माना जा रहा है। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में हुए इस शोध में चेतावनी दी गई है कि बढ़ते वायु प्रदूषण और बढ़ते तापमान के कारण ब्रेन स्ट्रोक के मामले भी बढ़ने की आशंका है। शोध में कहा गया है कि ब्रेन स्ट्रोक की रोकथाम के मौजूदा उपाय पर्याप्त नहीं हैं। इस दिशा में नई रणनीति बनाने की जरूरत है। पूर्वी यूरोप, एशिया और अफ्रीका में बढ़ते वायु प्रदूषण और बढ़ते तापमान के कारण ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ने का खतरा सबसे ज्यादा है। ऐसी दशा में वहां की सरकारों को वायु प्रदूषण की रोकथाम के साथ लोगों में आहार संबंधी जागरुकता के प्रयास करने चाहिए। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में पहली बार स्ट्रोक की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 2021 में बढ़कर 1.19 करोड़ हो गई। यह 1990 से सत्तर प्रतिशत ज्यादा है। इसी प्रकार स्ट्रोक से मौतें 73 लाख हो गई, जो 1990 से 44 प्रतिशत ज्यादा है। स्ट्रोक से प्रभावित तीन-चौथाई से ज्यादा लोग कम और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। *

प्रस्तुतिः अजेश कुमार

डाइट एडवाइस

भारती शांडिल्य
सीनियर डाइटीशियन

नवरात्र के दौरान बहुत से लोग व्रत रखते हैं। लेकिन व्रत रखने से किसी तरह की शारीरिक परेशानी ना हो, इसके लिए डाइट को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए। इस बारे में यहां आपको विस्तार से बता रहे हैं।

व्रत के दौरान क्या खाएं-क्या ना खाएं

शारदीय नवरात्र आज से आरंभ हो रहे हैं। इस अवसर पर तमाम लोग व्रत रखते हैं। हालांकि उन लोगों को व्रत नहीं रखना चाहिए, जिन्हें किसी तरह की कोई बीमारी है या कमजोरी महसूस कर रहे हों। मसलन, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, दिल संबंधी बीमारी या फिर खून की कमी होने पर व्रत करने से बचना चाहिए। इसके अलावा कुछ लोग असावधानीवश व्रत से पूर्व या व्रत तोड़ने के बाद ऐसा कुछ खा लेते हैं, जिससे उन्हें पाचन संबंधी परेशानी होती है। इसलिए जरूरी है कि व्रत रखने वाले लोग इस बारे में जान लें कि क्या खाएं? और व्रत से पूर्व और बाद में क्या सावधानी बरतें?

क्या खाएं

- व्रत में दूध, दूध से बने प्रोडक्ट्स मसलन दही, पनीर का सेवन जरूर करना चाहिए, इससे कमजोरी महसूस नहीं होगी।
- अगर सिंघाड़े या कुट्टू से बनी डिशेज खा रहे हैं तो इस बात का जरूर ध्यान रखें कि तली-भुनी डिशेज ना खाएं, यानी ऑयली खाना खाने से बचना चाहिए।

- ताजे फलों या सब्जियों का जूस पीना चाहिए, जिससे कैलोरी और न्यूट्रीएंट्स मिलते हैं, जो शरीर में नए ऊतक बनाने में मदद करते हैं। केवल पानी पीकर व्रत रहने के मुकाबले जूस पीकर व्रत रहना शरीर के लिए लाभदायक होता है, क्योंकि जूस से शरीर की रिकवरी जल्दी होती है। लेकिन एक बात ध्यान रखने वाली होती है कि ताजा जूस ही पीना चाहिए। प्रोसेस्ड या पैक्ड जूस नहीं पीना चाहिए। यह नुकसान कर सकता है।
- शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने के लिए लिक्विड डाइट अधिक लेनी चाहिए जैसे नीबू पानी, नारियल पानी और फ्रूट जूस। इससे गैस की समस्या से बचाव में मदद मिलती है।
- व्रत से एक दिन पहले दिन में संतुलित भोजन करें। मसलन रोटी, चावल, दाल, सब्जियां, फल, दूध आदि खाना चाहिए, जिससे शरीर में ग्लूकोज इकट्ठा रहे और अगले दिन व्रत रखने में परेशानी ना हो।
- व्रत वाले दिन पेट ठीक से साफ रहे, इसके लिए पानी के साथ अधिक रेशे वाली चीजें भी खूब खानी चाहिए।

व्रत के बाद क्या खाएं

- व्रत तोड़ने के बाद एक साथ अधिक खाना या फिर एक साथ कई तरह के फलों को मिलाकर नहीं खाना चाहिए।
- चूंकि व्रत के दौरान शरीर में पानी की कमी हो जाती है, इसके संतुलन को बनाने के लिए वेजिटेबल सूप, ग्रीन टी, नीबू पानी,नारियल पानी, मिल्क शेक और ग्लूकोज पानी आदि लेना चाहिए।
- व्रत खोलने के बाद हाई कैलोरी वाली चीजें जैसे चावल, रोटी, केला साथ ही प्रोटीन वाली चीजें दाल और दूध लेना चाहिए। कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का अनुपात 4:1 का होना चाहिए। प्रोटीन से हमें एमीनो एसिड मिलता है, जो व्रत के दौरान मसल्स टिश्यू को हुए नुकसान के पुनर्निर्माण में सहायक होते हैं। कार्बोहाइड्रेट से ग्लूकोज स्टोर होता है।

क्या ना खाएं

- व्रत से पूर्व तला-भुना खाना जैसे समोसे, पूरी, अचार, नॉनवेज आदि खाने से बचें।
- हाई प्रोटीन वाला खाना भी नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इससे यूरिन अधिक होगा और आपको बार बार यूरिन के लिए जाना होगा, जिससे शरीर में पानी का लेवल कम हो सकता है।
- अगर कोई महिला प्रेगनेंट हैं या शुगर की मरीज हैं या फिर किसी अन्य बीमारी से ग्रसित हैं तो उनको व्रत करने से बचना चाहिए। इससे परेशानी बढ़ सकती है। *

प्रस्तुतिः अनुष्का पांडेय

न्याय यात्रा से हम जनता के मुद्दे उठाने में सफल रहे : दीपक बैज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की न्याय यात्रा का समापन 2 अक्टूबर को रायपुर में हुआ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, और पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने राजीव भवन में एक संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने इस यात्रा को जनता के जख्मों पर मरहम बताते हुए कहा कि न्याय यात्रा ने सरकार की नाकामियों को उजागर किया और जनता के बीच कांग्रेस की मजबूती को स्थापित किया।

जनता की आवाज बनी न्याय यात्रा

दीपक बैज ने कहा कि इस यात्रा की शुरूआत 27 सितंबर को गुरू घासीदास की तपोभूमि से हुई थी और 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन राजधानी में इसका विराम हुआ। यात्रा ने कुल 125 किलोमीटर की दूरी तय की, जिसमें विभिन्न इलाकों के लोग शामिल हुए। यात्रा के दौरान 10 से अधिक पत्रकार वार्ताएँ और 150 से अधिक वन-टू-वन चर्चाएं हुईं, जिनके माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने जनता की समस्याओं को उठाया।

सरकार की नाकामियों पर तीखे हमले

भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है और अपराधी बेलगाम हो गए हैं। महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है। बघेल ने कहा, 10 महीने की भाजपा सरकार ने जनता का भरोसा तोड़ा है।

जनता से सीधा संवाद

टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि न्याय यात्रा ने जनता की तकलीफों को सीधे सामने रखा है। उन्होंने कवर्धा में कचरू की मौत के मामले का उदाहरण देते हुए बताया कि सरकार की विफलताओं के कारण जनता न्याय के लिए भटक रही है। उन्होंने कहा, यात्रा ने स्पष्ट कर दिया कि सरकार जनता के हित में असफल रही है।

यात्रा का समर्थन

यात्रा के दौरान पीड़ित परिवारों और विभिन्न समाजों ने कांग्रेस के इस अभियान का समर्थन किया। बलौदाबाजार की घटना से नाराज सतनामी समाज और अन्य समुदायों ने न्याय यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एकजुट कांग्रेस

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि न्याय यात्रा ने कांग्रेस के सभी नेताओं को एकजुट किया है। इस यात्रा ने यह साबित कर दिया है कि कांग्रेसजन एक परिवार की तरह मिलकर काम कर रहे हैं, महंत ने कहा।

यात्रा की सफलता

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह यात्रा केवल शुरूआत है। न्याय यात्रा का अभी अंत नहीं हुआ है, बल्कि यह यात्रा अंजाम तक पहुंचेगी, दीपक बैज ने कहा। इस अवसर पर पत्रकार नितिन चौबे के निधन पर मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजपुर इकाई की नवीन कर कारिणी की घोसणा की गई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर मे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजपुर इकाई की घोषणा की गई जिसमे मुख्य रूप से जिला संयोजक रितिक सिंह उपस्थित रहे जिला संयोजक ने कहा की विद्यार्थी परिषद 75 वर्षो से छात्रहित समाजहित एवं राष्ट्रहित के लिए कार्य करते आ रहे है और आगे विद्यार्थी परिषद छात्रहित एवं राष्ट्रहित के लिए कार्य करते रहेगी नवीन नगर कार्यकरिणी की घोसणा जिला संयोजक के द्वारा की गई जिसमे आदित्य गुप्ता को नगर मंत्री, अजीत यादव, अनेश्वर तिवारी को नगर सह मंत्री कार्यालय मंत्री आलोक कुशवाहा, कोष प्रमुख हरिशंकर यादव, sfs प्रमुख मनोज यादव, sfd प्रमुख संजय यादव, rkm प्रमुख अभिषेक नागेश, क्रीड़ा प्रमुख आशिस गुप्ता, सोसल मीडिया प्रमुख अंकुश दस, को प्रमुख जिम्मेदारी मिली

अधिवक्ता संघ ने अनुभाग्य अधिकारी कार्यालय का बहिष्कार किया समाप्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर मे अधिवक्ताओं की मौजूदगी में अपर कलेक्टर की उपस्थिति में उभय पक्षों की मध्यस्थता करते हुए आश्वस्त किया कि भविष्य में अधिवक्ताओं के मान-सम्मान का ध्यान रखा जाएगा व कानून नियमों का पूरा ध्यान कार्यवाही के दौरान रखा जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी राजपुर द्वारा भविष्य में गलतियों की पुनरावृत्ति न करने की बात रखने पश्चात अधिवक्ता संघ ने बहिष्कार समाप्त करने का निर्णय लिया है संघ के अधिवक्ता न्यायालय कार्यवाही में आज से सम्मिलित हो रहे हैं। अधिवक्ताओं ने पक्षकारों के हित को ध्यान में रखते हुए न्यायालय के बहिष्कार का निर्णय लेते हुए मामलों में आज से उपस्थिति देने की सहमति दी है। अधिवक्ता संघ में हुई इस बैठक में आज अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जय गोपाल अग्रवाल सचिव सुनील सिंह अधिवक्ता गण हुकुमचंद अग्रवाल, संजय पाण्डेय, सुनील चौबे शंकर अग्रवाल, रामनारायण जयसवाल शिवानंद दुबे वह अन्य अधिवक्ता गण भी उपस्थित थे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों के साथ कलेक्टर ने की चर्चा

निचले क्रम के कर्मचारियों से बेहतर कार्य की अपेक्षाएं ज्यादा : डॉ. गौरव सिंह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । जमीनी स्तर के कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के साप्ताहिक ब्रेकफास्ट विथ कलेक्टर में शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकताओं, सहायिकाओं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को ब्रेकफास्ट करने का अवसर मिला। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आत्मीयता के साथ सभी कर्मचारियों से पहले परिचय प्राप्त किया और उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली।

कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिवार के बारे में भी हाल-चाल जाना। कलेक्टर ने उनकी समस्याओं को सुनी और त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों से कार्यों को सुगम बनाने के लिए सुझाव भी मांगे। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं के साथ कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान यह बातें भी सामने आई कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं से निजी अस्पताल द्वारा संपर्क किया जाता है और उन्हें पीड़ित महिलाओं को अस्पताल लाने के लिए कहा जाता हैं। इस बात को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि कोई भी निजी अस्पताल द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं से संपर्क करेगा तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि जिले में योजनाओं का क्रियान्वयन करने में जमीनी स्तर के कर्मचारियों का बड़ा योगदान होता है। बेहतर कार्य करने वाले रेखांकित भी किए जाते है। जमीनी स्तर के कर्मचारी ही असल मायनों में कार्य करते हैं और उसका असर भी देखने को मिलता है। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं से कहा कि गर्भवती महिलाओं को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाएं। कलेक्टर ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को सुरक्षित करने के लिए बाउंड्रीवाल बनाया जाएं। हर महीने प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएं और स्वीकृत कराने के बाद तुरंत निर्माण कराया जाए। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय योजनाओं को सफल बनाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्र की जवाबदेही सबसे अधिक होती है। कलेक्टर ने कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानियां नहीं होनी चाहिए, उन्हें हमेशा राहत देने का कार्य करना चाहिए।

जमीन पर कब्जे से रोकने पर बुजुर्ग महिला से मारपीट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के टिकरा मजरा ठाकुरखेड़ा निवासी प्रदीप ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया बीमारी के चलते वो एक निजी हास्पिटल में भर्ती था जिसका फायदा उठाते हुये भाई अमृतलाल ने उसके हिस्से की जमीन भी 20दिन पहले विभा सिंह निवासी हरकंशगढी के नाम विक्रय कर दी।जिसके बाद उक्त भूमि पर कब्जा लेने पहुंची विभा सिंह को मां रामरती ने रोकने का प्रयास किया गाली-गालौज करते हुये मारपीट की ओर जान से मारने की धमकी भी दी? इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया पीड़ित किसान की तहरीर पर आरोपी महिला के विरूद्व मारपीट व जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

जल्द गरज सकता है योगी का बुलडोजर, गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराने का आदेश जारी

लखनऊ। प्रदेश भर में गोचर भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान जल्द शुरू होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को गोचर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने और इसकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं। अभियान की निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की सूची तैयार की जा रही है। बता दें कि प्रदेश भर में राजस्व अभिलेखों के अनुसार 65,177 हेक्टेयर गोचर भूमि है। विभिन्न चरणों में चले अभियान के तहत अब तक 27,688.75 हेक्टेयर (42.48 प्रतिशत) गोचर भूमि कब्जामुक्त कराई जा चुकी है। अब 37,488.25 हेक्टेयर भूमि को कब्जामुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में निराश्रित गोवंश का वास्तविक आकलन करें और गो-आश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड का निर्माण कराया जाए। गोआश्रय स्थलों की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो, कहीं भी कीचड़ और जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो। सभी आश्रय स्थलों में भूसा, हरा चारा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। मृत गोवंश को ठीक विधि से दफनाने की व्यवस्था हो।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती सीमा जैन पिता श्री आनंद जैन पत्नी श्री सुजीत अग्रवाल निवासी वार्ड नम्बर-9 सिंगरौली म०प्र० वर्तमान निवासी एम.जी. रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा मोहल्ला लखनपुर रोड नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4531/52, 4531/53 रकबा क्रमशः 1161.00 वर्गफीट एवं 6579.00 वर्गफीट भूमि से भू-तल पर पार्किंग एरिया पर रकबा 287.72 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 287.72 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 287.72 वर्गमीटर एवं तृतीय तल पर रकबा 287.72 वर्गमीटर पर व्यवसायिक भवन निर्माण कराना चाहता है । आवेदक ने अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र भवन निर्माण शाख में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है । उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21/10/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 20/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में

मामला क्रमांक: 202410020700043/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2024-2025
फुन्दुरडिहारी (प.ह.न. 00016),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- विजेता,
अनावेदक पक्षकार - रामनारायण,

ईश्तहार

आवेदिका विजेता पुत्री शोभन राम भगत निवासी वार्ड क्रमांक 08 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 12/1, 61/2 रकबा 0.012, 0.017 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21.10.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/10/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंक कोर्ट बिहारपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र 202405263500001/अ-21/2022-23

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम बिहारपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामसूरत आ० कोटा निवासी ग्राम बिहारपुर तहसील बिहारपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा अपने स्वत्व की भूमि ग्राम बिहारपुर प.ह.नं० 6 रा०नि०मं० व तहसील बिहारपुर में स्थित भूमि खसरा नं0 441/1 रकबा 0.61 हे० में 0.04 आरे (10 डिसमिल) भूमि को अनावेदक कांशीराम आ० मनमोहन जाति कलार निवासी ग्राम नवगई तहसील बिहारपुर जिला सूरजपुर को विक्रय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस पर सुनवाई प्रारंभ कर दिया गया है, जिसकी आगामी सुनवाई दिनांक 26.09.2024 को नियत है। अतः उपरोक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 26.09.2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ?-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन कुमार गोयल, हरिओम अग्रवाल आ० राममेहर अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी अलखलापारा शंकरगढ़ तहसील शंकरगढ़ जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 233/48 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 16/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-202409021700006/ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चितराम आ० स्व० कबिल साय, जाति कंवर, निवासी ग्राम रुखपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा ग्राम रूखपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 410/1, 410/2 रकबा क्रमशः 0.348, 0.405 हे० भूमि की द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/ ./अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राकेश गुप्ता आ० ताराचंद गुप्ता जाति केशरवानी निवासी सदर रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला न्यू महामाया रोड नगर अम्बिकापुर, स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2602/166 रकबा 1081 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मॅटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा- आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-21/10/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 04/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/ ./अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक ताराचंद गुप्ता आ० सोहर लाल गुप्ता जाति केशरवानी निवासी सदर रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बरेजपारा नगर अम्बिकापुर, स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2602/79 रकबा 0.13 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मॅटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-21/10/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक-04/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायलय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०) - ईश्तहारः-

रा०प्र०क्र०/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद को सूचित किया जाता है कि श्री राम कुमार पिता श्री राम अधीन? निवासी बिश्मताल के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं०152/5 रकबा 0.06 हे० जो ग्राम खडगवां प.ह.नं.10 रा०नि०मं० शिवप्रसाद नगर तहसील भैयाथान सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षे० खडगवां के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 08/10/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती शशि प्रभा सोनी पत्नी श्री शंकर प्रसाद सोनी जाति सोनार निवासी वार्ड नम्बर-39 भीम दफाई डोमनहिल सानोवनी कोलरी चिरमिरी तहसील खण्डगा जिला कोरिया छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर, शीट नम्बर -9 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/274 रकबा 3135 वर्गफीट भूमि को निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21/10/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक- 04/09/2024 2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी एवं पश्चिम भारत विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

शिक्षक संगोष्ठी में केशवपुर से अंचल कुमार सिन्हा रहे प्रथम स्थान पर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शासकीय बहुउद्देशीय उमा विद्यालय अंबिकापुर में बीते 30 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी एवं पश्चिम भारत विज्ञान प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया गया, जिसमें 8वीं से 12वीं तक के बच्चों ने भाग लिया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कई विधाएं थीं, जिसमें राष्ट्रीय विज्ञान सेमिनार, विज्ञान नाटिका, प्रश्न मंच, पोस्टर मेकिंग, विज्ञान क्लब एवं विभिन्न उप विषयों पर मॉडल प्रतियोगिता शामिल है।

सेजेस केशवपुर के प्राचार्य संतोष कुमार साहू के निर्देशानुसार इस प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रत्येक विधा में अपना प्रदर्शन किया और जीत हासिल की। राष्ट्रीय विज्ञान सेमिनार में द्वितीय स्थान पर अनुप्रिया, तृतीय स्थान पर आर्यन चौबे, बाल विज्ञान प्रदर्शनी के प्राकृतिक खेती में राजवीर, किरण सिंह एवं चंदन को द्वितीय स्थान मिला। मैथमेटिकल मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल थिंकिंग के मॉडल में स्मिता तिर्की को द्वितीय स्थान, अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल में कीर्ति विश्वकर्मा एवं नौशीन को प्रथम स्थान, पश्चिम भारत विज्ञान मेला में व्यक्तिगत मॉडल वाले में प्रियांशी सोनी को तृतीय स्थान एवं टीम वर्क में छवि पांडे एवं आशी साहू को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रश्न मंच में सेजेस केशवपुर प्रथम स्थान में रहा, जिसमें निलेश यादव एवं श्वेता पाल ने भाग लिया। विज्ञान क्लब प्रदर्शन प्रतियोगिता में सेजेस केशवपुर द्वितीय स्थान, शिक्षक संगोष्ठी में केशवपुर से प्रथम स्थान अंचल कुमार सिन्हा ने, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में हेमावती एवं पिंकी ने द्वितीय स्थान, विज्ञान नाटिका में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नाटक में मोहिता सिंह, रिया गुप्ता, अंशू नायक, स्मिता तिर्की, अनुप्रिया बरा, शालिनी खेस, स्नेहा एक्का एवं अनुप्रिया ने भाग लिया। सभी प्रतियोगिताओं के लिए सेजेस केशवपुर से प्रभारी के रूप में नीतू यादव ने बच्चों को शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में बच्चे अपने मार्गदर्शक शिक्षक के मार्गदर्शन में में भाग ले सकते थे। सभी प्रतियोगिताओं में मार्गदर्शक शिक्षक के रूप में प्राचार्य संतोष कुमार साहू, अंचल कुमार सिन्हा, नीतू यादव एवं रोहित नायर ने अपना बहुमूल्य योगदान देकर बच्चों को इस मुकाम तक पहुंचाया। प्राचार्य संतोष कुमार साहू के द्वारा सभी बच्चों को प्रोत्साहित करके शुभकामनाएं दी गई। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों की तैयारी में शाला के वरिष्ठ शिक्षक अजीत लकड़ा, भावना प्रजापति एवं संस्कृति श्रीवास्तव ने अपना योगदान दिया।

अस्वच्छ भारत की तस्वीरें भारतीयों के लिए बनती है शर्मिंदगी की वजह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य केवल आसपास की सफाई करना ही नहीं है अपितु नागरिकों की सहभागिता से अधिक-से अधिक पेड़ लगाना, कचरा मुक्त वातावरण बनाना, शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराकर एक स्वच्छ भारत का निर्माण करना है। देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ भारत का निर्माण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अस्वच्छ भारत की तस्वीरें भारतीयों के लिए अक्सर शर्मिंदगी की वजह बन जाती है इसलिए स्वच्छ भारत के निर्माण एवं देश की छवि सुधारने और स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देश में संपूर्ण भारत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस पर स्वच्छ भारत अभियान का आगाज किया गया था, इसे प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने के लिए सेजेस, केशवपुर के प्राचार्य संतोष कुमार साहू के दिशा-निर्देश में 14 सितंबर से 1 अक्टूबर तक प्रतिदिन के कार्यक्रम को विद्यालय के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की सहभागिता से संपन्न किया गया। पूरे कार्यक्रम की प्रभारी नीतू यादव एवं आकाश द्विवेदी के मार्गदर्शन में सफल आयोजन हुआ।

प्रधानमंत्री आवास के लिए 4315 हितग्राहियों को मिली प्रथम किस्त की राशि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

भैयाथान। कलेक्टर रोहित व्यास व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में विकासखण्ड भैयाथान अंतर्गत 78 ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 4315 हितग्राहियों के खाते में प्रथम किस्त की राशि जारी की गई। इसे लेकर जनपद स्तरीय ग्राम मोहली, सत्यनगर, भैयाथान, झिलमिली, रजबहर, पटियाडाड़ में आवास चौपाल सह उन्मुखीकरण के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान भूमिपूजन, ले आउट, गृह प्रवेश के साथ ही पूर्ण किए गए आवासों के हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र के साथ ही उन्हें घर की चाभी का वितरण किया गया। विकासखण्ड समन्वयक अमित कुमार खैरवार के द्वारा 2024-25 के तहत स्वीकृत किए गए आवासों के हितग्राहियों को जल्द निर्माण कार्य चालू करने और अगली किस्त की राशि 60 हजार रुपये प्राप्त करने के लिए प्रोसाहित किया गया। इस दौरान तकनीकि सहायक संजय साह सहित सभी ग्रामों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, हितग्राहियों के अलावा ग्रामीण काफी संख्या में उपस्थित थे।

प्रचार-प्रसार हेतु नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन द्वारा जिला अंतर्गत जाबो कार्यक्रम के तहत फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण एवं तैयारी कार्य के प्रचार-प्रसार करने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नूतन कुमार कंवर को नोडल अधिकारी एवं जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सरगुजा के जिला परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

इसी कड़ी में प्रचार-प्रसार अधिकारी नियुक्त करते हुए शहरी क्षेत्र में नगर पालिक निगम अंबिकापुर हेतु आयुक्त नगर पालिक निगम, नगर पंचायत लखनपुर हेतु मुख्य नगरपालिका अधिकारी लखनपुर एवं नगर पंचायत सीतापुर हेतु मुख्य नगरपालिका अधिकारी सीतापुर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में जनपद पंचायत अंबिकापुर हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंबिकापुर, जनपद पंचायत लखनपुर हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी लखनपुर, जनपद पंचायत उदयपुर हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी उदयपुर, जनपद पंचायत सीतापुर हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीतापुर, जनपद पंचायत मैनपाट हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी मैनपाट, जनपद पंचायत बतौली हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी बतौली एवं जनपद पंचायत लुण्ड्रा हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी लुण्ड्रा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करते 5 पकड़ाए, एक ग्रामीण से अवैध शराब जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं अवैध शराब बिक्री के मामले में धौरपुर पुलिस टीम ने 01 प्रकरण दर्ज कर आरोपी से 4.5 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद किया है।

जानकारी के मुताबिक गश्त में निकली थाना गांधीनगर पुलिस टीम ने शराब भट्टी रोड भगवानपुर में सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने वाले अभिषेक केरकेट्टा 21 वर्ष निवासी बहेटारांगी थाना पत्थलगांव, अरमान एक्का 25 वर्ष निवासी पत्थलगांव चिड़रापारा जिला जशपुर, विजय सिंह 38 वर्ष निवासी गांधीनगर, दीपक आन्डिल्य 26 वर्ष निवासी मानपुर प्रतापपुर व भोलू रावत 23 वर्ष निवासी गांधीनगर के विरुद्ध धारा 36(च) आबकारी एक्ट का अलग-अलग प्रकरण दर्ज किया है। थाना धौरपुर पुलिस टीम ने अवैध महुआ शराब बिक्री के मामले में तेजराम 50 वर्ष निवासी जमीरा डांडपारा के कब्जे से 4.5 लीटर अवैध महुआ शराब जप्त किया, इसकी कीमत लगभग 450 रुपये है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, थाना प्रभारी धौरपुर उप निरीक्षक अश्वनी दीवान, सहायक उप निरीक्षक ललन सिंह, प्रधान आरक्षक मालती तिवारी, आरक्षक पवन यादव, अजय मिश्रा, सुशील मिंज, सैनाथ लकड़ा, सैनिक अनिल साहू शामिल रहे।

आठ साल दुष्कर्म के बाद शादी से किया इन्कार, महिला की रिपोर्ट पर आरोपित गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शादी का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म करने के मामले में मणिपुर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

प्रार्थिया ने पुलिस को बताया था कि उसका जानपहचान पूर्व में ग्राम पनसरा थाना वाड्रफनगर निवासी सरोज कुमार मारकण्डे से हुआ था। पहचान होने के बाद मोबाइल से दोनों बातचीत करते थे और वे एक-दूसरे से प्रेम करने लगे। वर्ष 2015 के माह अगस्त में आरोपी उसके किराए के कमरे में आया और शादी का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म किया। घटना दिनांक के पश्चात भी आरोपी वर्ष 2023 तक उसके साथ अवैध संबंध बनाया, बाद में शादी करने से इन्कार कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 376 (2) एन भादवि एवं एसटी/एससी एक्ट की धारा का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया और आरोपी सरोज कुमार मारकण्डे 38 वर्ष निवासी पनसरा वाड्रफनगर जिला बलरामपुर को गिरफ्तार कर ली।

आरोपी को पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणिपुर निरीक्षक दुर्गेश्वरी चौबे, सहायक उप निरीक्षक अनिल पाण्डेय, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, आरक्षक कुश सोनी, सुरेश गुप्ता शामिल रहे।

अस्थायी पटाका लायसेंस हेतु 15 अक्टूबर तक करें आवेदन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष के दशहरा एवं दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखते हुए सरगुजा जिला अंतर्गत फुटकर पटाका विक्रय करने के लिए लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किए जा रहे हैं। इच्छुक फुटकर पटाका व्यापारी लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र 15 अक्टूबर तक कर सकते हैं, ताकि प्राप्त आवेदनों का समय पर निराकरण कर अस्थायी पटाका लायसेंस समय सीमा में जारी किया जा सके।

महाविद्यालय में हुआ सैन्य कार्यशाला का आयोजन

आर्मी मैन चंद्रा ने एक अच्छा सैनिक बन देश सेवा करने और उसके महत्व के सम्बंध में दी जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना और कैरियर गाइडेंस के तत्वाधान में शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर के प्रभारी अधिकारी एनएसएस प्रभारी रेड क्रॉस प्रभारी आईक्यूएसी प्रभारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन तथा उनके संचालन में जिला कार्यालय के दिशा निर्देश में महाविद्यालय में अग्नि वीर सैन्य भर्ती को लेकर कार्यशाला आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ से पूर्व आर्मी मैन चंद्रा के स्वागत और परिचय उपरांत उनके उद्बोधन और उनके विचार तीनों सेनाओं थल, वायु, जल सेना के बारे में आम जनता के मन में जो भ्रांतियां उत्पन्न होती हैं उनको दूर करते हुए बेहतर ढंग से छात्र-छात्राओं को और शिक्षकों को भी उनके माध्यम से एक अच्छा सैनिक बन कर देश सेवा करने और उसके क्या महत्व हैं इसके बारे में श्री चंद्रा के द्वारा बताया गया।

इस कार्यक्रम को संपन्न कराने में महाविद्यालय के सभी शिक्षक और सभी कर्मचारी छात्र-छात्राओं का भरपूर सहयोग मिला और सभी ने पूरे मन से पूर्व आर्मी मैन को सुना। इस तरह से महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के माध्यम से बिहारपुर क्षेत्र के सभी गांव मोहल्ला टोला सभी प्रकार के समाज में सेना के प्रति आदर भाव और उसके गौरव इतिहास को जानने का मौका मिला तथा आने वाले भविष्य में बिहारपुर क्षेत्र से अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं सेना में भर्ती होकर सैनिक बनेंगे।

कंपनी बाजार से ग्रामीण का मोपेड चोरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के कंपनी बाजार आए सुंदरगंज लटोरी निवासी रामधनी राम का टीवीएस मोपेड अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया। ग्रामीण बीते दिवस मोपेड से मंडी बाजार दोपहर लगभग 12 बजे आया था। शाम को 6 बजे मोपेड गायब देखकर वह आसपास खोजबीन किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। घटना की जानकारी कोतवाली थाना पुलिस को दी गई है, जिस पर पुलिस चोरों के तलाश में लगी है।

विश्व हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष और युवा ठेकेदार ने पेश की मानवता का मिसाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। विश्व हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष मनीष सिंह (पम्मू) और युवा ठेकेदार सोनू चौबे ने मानवता और श्रद्धा की मिसाल पेश करते हुए हनुमान मंदिर और माता सती मंदिर में शेड व टाइल्स लगवाया है, जिससे श्रद्धालुओं को होने वाली दिक्कतों से मुक्ति मिली है।

मनीष सिंह ने बताया गर्मी में हनुमान मंदिर के सामने लगा टाइल्स तेज धूप के कारण तप जाता था, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी होती थी, वहीं बरसात के दिनों में फिसलन का खतरा बना रहता था। इसे देखते हुए वहां पर शेड का निर्माण कराया गया। वहीं माता सती मंदिर में टाइल्स की कमी महसूस की जा रही थी। इसे देखते हुए दोनों ने इस कमी को दूर करने का बीड़ा उठाया था। शहरवासी और श्रद्धालु दोनों ही इन युवाओं के सेवा भाव से प्रभावित हैं।

सेवानिवृति पर एसएसपी ने किया प्र.आ. का सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस विभाग में अपना सेवाकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक वीरसाय लकड़ा की सेवानिवृत्ति पर विदाई सम्मान समारोह का आयोजन जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया।

जहां डीआईजी व एसएसपी एम.आर.आहिरे ने प्रधान आरक्षक को साल-श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद नए जीवन के पड़ाव की शुभकामनाएं प्रधान आरक्षक को देते हुए कहा कि 1 फरवरी 1984 से विभाग की सेवा में आए, विभाग में बेहद अच्छा कार्य करते हुए अधिनस्थों को अनुशासन में रहकर कैसे कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें यह बताया। कभी भी आदेश-निर्देश की अवहेलना नहीं किया। सेवानिवृत्त हो रहे प्रधान आरक्षक के स्वस्थ्य, सुखमय पारिवारिक जीवन जीने, दीर्घायु होने की बधाई दी। सेवानिवृत्त हुए प्रधान आरक्षक ने भी अपने सेवा के अनुभवों के बारे में बताया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर 09 को ग्राम पंचायत सुखरी में

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जनपद पंचायत अंबिकापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि 09 अक्टूबर 2024 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन जनपद पंचायत अंबिकापुर के ग्राम पंचायत सुखरी में प्रात: 10 बजे से आयोजित किया गया है।

उन्होंने जनपद पंचायत के सभी सरपंच एवं सचिव को शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा कोटवार से मुनादी कराने कहा है, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण अपनी समस्याओं का निराकरण शिविर में उपस्थित होकर करा सकें। उन्होंने सभी को निर्धारित दिवस पर शिविर में उपस्थित होने कहा है।

एनएसयूआई की टीम ने कॉलेज की कमियों को दूर करने सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। एनएसयूआई की टीम ने इंजीनियरिंग कॉलेज, सरस्वती कॉलेज, साईं बाबा कॉलेज, पीजी कॉलेज का निरीक्षण किया। इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रावास में मेस, पानी, सड़क, लाइट की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान प्रभारी प्राचार्य ने जल्द से जल्द मांगों को पूरा करने के लिए आश्वस्त किया गया।

पीजी कॉलेज में भी प्राचार्य को छात्रों को हो रहे परेशानियों से अवगत कराया गया, जिस पर तीन दिनों के अंदर मांग पूरा करने कहा गया। इस दौरान मुख्य रूप से छात्र नेता ज्ञान तिवारी, सुरेंद्र गुप्ता, अभिनव काशी, आयुष गुप्ता, अमित रवि राजा, ऋषभ राय सहित अन्य उपस्थित रहे।

बाइक की ठोकर से स्कूटी सवार महिला घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। बेटी को कॉलेज छोड़कर आ रही महिला को मोटरसाइकिल सवार लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई है। महिला का उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर निवासी रेणुका सरकार पति सुकेश सरकार 45 वर्ष का मायका अंबिकापुर के गांधीनगर थाना अंतर्गत फुंदुरडिहारी भगवानपुर में है। यहां वह अपनी पुत्री के साथ रहती है, जो साईं कॉलेज में पढ़ती है। बीते दिवस रेणुका अपनी पुत्री का कॉलेज छोड़ने के लिए स्कूटी से गई थी। वापस आते वक्त जनता गैरेज गली में बाइक सवार उसे ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। महिला को आई चोटों को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

जिले में पीएम आवास योजनांतर्गत आवास चौपाल सह हितग्राहियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य शासन के निर्देश एवं कलेक्टर रोहित व्यास व सीईओ जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में पीएम आवास योजना में निरंतर कार्य हो रहे है। योजना अंतर्गत हाल ही जारी 20 हजार से अधिक हितग्राहियों के खातों में प्रथम किस्त के पश्चात इनके उन्मुखीकरण, योजना के विस्तृत जानकारी तथा आवास निर्माण हेतु तकनीकी ज्ञान के लिए जिले के सभी ग्राम पंचायतों को 67 सेक्टरों में विभक्त करते हुए, सेक्टर तैयार किए गए है।

जिस हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को नोडल अधिकारी एवं एसडीओ आरईएस को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है। 67 सेक्टरों में आयोजित होने वाला आवास चौपाल 3 व 4 अक्टूबर तथा 7 अक्टूबर को आयोजित होगा। विभाग द्वारा अपील है कि इसमें से अधिक हितग्राही/ग्रामीणजन सम्मिलित होवें ताकि योजना की विस्तृत जानकारी व आगामी रूपरेखा के बारे में आपको पता चल सके।

कोरिया फ्रंटलाइन

विश्व पशु कल्याण दिवस

पशु कल्याण और संरक्षण के लिए सशक्त कदम उठाने की जरूरत

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। हमारी धरती पर पाए जाने वाले सभी जीव-जंतु पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक होते हैं। पशुओं का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है, बल्कि उनके जीवन और अस्तित्व को सुरक्षित रखने के लिए भी अनिवार्य है। इसी दृष्टिकोण के साथ हर साल 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य पशुओं के अधिकारों और कल्याण की दिशा में जागरूकता बढ़ाना है द्य ताकि सभी जानवरों को एक बेहतर जीवन मिल सके। इस विश्व पशु कल्याण दिवस की शुरुआत 1931 में फ्लोरेंस, इटली में हुई थी। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय पशु संरक्षण सम्मेलन के दौरान मनाया गया। जहां इस दिन को वैश्विक स्तर पर पशुओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित किया गया। इस दिन का चयन संत फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में किया गया जिन्हें पशुओं और प्रकृति का संरक्षक माना जाता है। संत फ्रांसिस का मानना था कि हर जीवित प्राणी को सम्मान और दया का हकदार है। इस दिन की शुरुआत के साथ पशु कल्याण पर जागरूकता फैलाने का कार्य एक वैश्विक आंदोलन के रूप में शुरू हुआ जो समय के साथ और भी व्यापक रूप से स्वीकार्य हुआ।

भारत में पशु संरक्षण की जरूरत और चुनौतियां

भारत जैव विविधता के मामले में एक समृद्ध देश है। यहां के जंगल, पहाड़, समुद्र और घास के मैदान अनगिनत प्रकार की पशु प्रजातियों का घर हैं। भारतीय संस्कृति में भी पशुओं को हमेशा से विशेष स्थान दिया गया है, चाहे वह धार्मिक रूप से हो या समाजिक रूप से इसके बावजूद तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और वनों की कटाई के कारण पशुओं के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। भारत में आज कई प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं और इनके संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

केंद्र और राज्य सरकार की पहल

भारत सरकार ने पशु कल्याण और संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें केंद्र और राज्य स्तर पर कई योजनाएं और नीतियां लागू की गई है, जिनका मुख्य उद्देश्य पशुओं के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960

यह अधिनियम भारत में पशुओं के प्रति होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए बनाया गया है। इसके तहत पशुओं पर अत्याचार करने वालों को दंडित किया जाता है। इसके तहत किसी भी प्रकार की क्रूरता जैसे मारपीट, अत्यधिक भार ढोना, भूखा रखना आदि को अपराध माना गया है। यह कानून पशुओं के प्रति मानवीय व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972

भारत सरकार द्वारा लागू किया गया यह कानून वन्यजीवों और उनके आवासों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसके तहत कई राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना की गई है जहां वन्यजीव सुरक्षित रह सकें। इस कानून के अंतर्गत संरक्षित और संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची तैयार की जाती है जिनकी रक्षा के लिए सरकार विशेष प्रबंध करती है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना

केंद्र सरकार ने देशी गाय/ भैंस/ बकरी की नस्लों को सुधारने और उनके संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य देशी नस्लों की रक्षा करना और दूध उत्पादन को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत गोशालाओं और गोवंशों की देखरेख के लिए विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस प्रकार छत्तीसगढ़ सरकार भी पशुओं के कल्याण उनकी सुरक्षा और उनके विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है। ये योजनाएं मुख्य रूप से कृषि, डेयरी उद्योग, मवेशियों की देखभाल और वन्यजीव संरक्षण के लिए हैं। राज्य सरकार के ये प्रयास न केवल पशुओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आजीविका सुधारने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र सरकार की राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के अंतर्गत देशी नस्ल के गायों के संरक्षण और संवर्धन के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। इसके साथ ही गोकुल ग्रामों की स्थापना छत्तीसगढ़ में कई गोकुल ग्रामों की स्थापना की गई है जहां देशी नस्ल की गायों को संरक्षित और संवर्धित किया जा रहा है। गायों की बेहतर स्वास्थ्य के लिए विशेष पशु चिकित्सालय, पशु मोबाइल यूनिट और चिकित्सा सुविधाएं स्थापित की गई हैं। इसके साथ ही कृत्रिम गर्भाधान उन्नत तकनीकों के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान के द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों को उत्पन्न करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत में प्रमुख वन्यजीव और उनकी स्थिति

भारत में विभिन्न प्रकार के पशु और पक्षी पाए जाते हैं जो यहाँ की जैव विविधता का एक प्रमुख हिस्सा हैं। इन वन्यजीवों की विभिन्न प्रजातियाँ जंगलों, घास के मैदानों, पहाड़ों और जल निकायों में पाई जाती हैं। भारत के हर राज्य में विशेष प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं जिनमें कुछ विशिष्ट हैंरू जैसे रू. बाघ, हाथी, गैंडा, शेर, हिमालयी भालू के अलावा कई अन्य पशु भी पाए जाते है।

विलुप्ति के कगार पर प्रजातियाँ

भारत में कई पशु प्रजातियां आज विलुप्ति होने के कगार पर हैं जिनमें यह प्रमुख हैं जैसे बंगाल टाइगर, हिम तेंदुआ, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, गंगा डॉल्फिन, लाल पांडा के साथ-साथ कई अन्य जानवर आज विलुप्त होने के कगार में है। इस विश्व पशु कल्याण दिवस सिर्फ एक प्रतीकात्मक दिन नहीं है बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि पशु संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। वर्तमान समय में तेजी से बदलते पर्यावरणीय और सामाजिक परिस्थितियों के बीच पशुओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की सुरक्षा अनिवार्य है। भारत सरकार और राज्य सरकारें इस दिशा में कई योजनाओं और कानूनों के माध्यम से कार्य कर रही हैं लेकिन आम जनता की भागीदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए आवश्यक है कि हम सभी अपने स्तर पर पशु कल्याण और संरक्षण के लिए जागरूक हों और आवश्यक कदम उठाएं। यह जिम्मेदारी न केवल सरकारों और संस्थाओं की है बल्कि हर नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि वह पशुओं के अधिकारों की रक्षा में योगदान दे। हम अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करके भी पशु कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं जैसे कि पशुओं के प्रति क्रूरता न करें, वन्यजीवों के संरक्षण में सहयोग दें, और पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखें। पशु क्रूरता के खिलाफ आवाज उठाने और संरक्षण के प्रयासों में शामिल होने के लिए हमें सरकारी नीतियों का समर्थन करना चाहिए और अपने आसपास के लोगों को भी इस दिशा में जागरूक करना चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं को भी पशु संरक्षण के महत्व पर जोर देना चाहिए और इसके लिए कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए।

सहायक प्रोग्रामर (जॉबदार) अभ्यर्थियों से दावा आपत्ति 9 अक्टूबर तक आमंत्रित

एमसीबी। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित हेतु सहायक प्रोग्रामर (जॉबदार) के लिए 3 अगस्त 2024 से 2 सितंबर 2024 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। उक्त पद हेतु 108 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राप्त आवेदन का चयन समिति द्वारा सूक्ष्म जांच किया, इसमें कुल पात्र आवेदनों की संख्या 51 एवं अपात्र आवेदनों की संख्या 57 प्राप्त हए हैं। उक्त आवदेनों की सूची का प्रकाशन जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की वेबसाइट में अपलोड कराकर 9 अक्टूबर 2024 दोपहर 2 बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। अन्य माध्यम से दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किया जायेगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज चिरमिरी का शुभारंभ

कृषि विश्वविद्यालय तथा नर्सिंग कॉलेज बनाने की घोषणा की

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा अस्थाई भवन आईटीआई कॉलेज के प्रथम तल पर शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज चिरमिरी का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य गीत का गायन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके पश्चात श्री जायसवाल ने रिबन काटकर कॉलेज का कक्षाओं का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस नए संस्थान के शुभारंभ से क्षेत्र के छात्रों को तकनीकी शिक्षा में बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उद्घाटन समारोह के दौरान मंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस कॉलेज की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है इस शुभारंभ के साथ ही चिरमिरी के छात्रों को अब स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने की दो

घोषणाएं-इस दौरान उन्होंने सरभोका के आसपास चिरमिरी में कृषि विश्व विद्यायल बनाने तथा चिरमिरी और मनेंद्रगढ़ के मध्य एक नर्सिंग कॉलेज बनाने की घोषण की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले सत्र में भौतिक, गणित, हिन्दी तथा अंग्रेजी विषय से यहां के विद्यार्थी स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई कर सकेंगे। सरकार ने शासकीय पालिटेक्निक कॉलेज के भवन हेतु निर्माण एवं उपकरण तथा साजसजा के लिए 10 करोड़ रूपये की शासकीय स्वीकृति दी है। इसके साथ ही चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 01 में 5 एकड़ भूमि का आबंटन किया गया है। कॉलेज निर्माण के सभी कार्य प्रक्रियाधीन है। पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग, माइनिंग

इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) एवं जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) ब्रॉच प्रारंभ किया गया है। सभी ब्रांचों में 60-60 सीट उपलब्ध है। कॉलेज के सुचारू संचालन के लिए 23 शैक्षणिक स्टाफ, 45 सहयोगी स्टाफ कुल 68 लोगों सेटअप तैयार किया गया है। इस कॉलेज को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त है तथा छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानन्द तकनीकी विश्वविद्यालय से संबध्यता किया गया है। अभी कॉलेज में सिविल इंजीनिरिंग के 8 तथा माईनिंग इंजीनियरिंग 19 विद्यार्थियों के साथ कुल 27 छात्र है। आईटीआई कॉलेज के विद्यार्थियों ने नल कलेक्शन, वाटर कूलर, सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए मंच तथा कॉलेज परिसर में मोटर साइकिल स्टैंड की मांग रखी जिन्हें मंत्री जी तुरंत स्वीकृति दे दी और छात्रों को परेशानी न हो इसके लिए उन्होंने तत्काल नगर निगम आयुक्त इनके प्राक्कलन तैयार इसकी जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने नव प्रवेशी छात्र एवं छात्राओं को पेन एवं कॉपी देकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम जिला अध्यक्ष अनिल केशरवानी, नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह, भूतपूर्व महापौर डब्ल्यू बेहरा, वार्ड पार्षद राय सिंह, जनप्रतिनिधी, विजयेन्द्र सारथी, नगर निगम आयुक्त राम प्रसाद आंचल, तहसीलदार शशि शेखर मिश्रा, पॉलिटेक्निक कॉलेज प्राचार्य आर. जे. पाण्डेय आईटीआई कॉलेज के छात्र एवं छात्राएं तथा उनके अभिभावक सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

माई की मढ़िया में संध्या महा आरती का रोजाना आयोजन

महाआरती में शामिल होने हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की पहुंच रही भीड़

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर पूरे नवरात्रि के 9 दिन तक माई की मढ़िया में महाआरती का आयोजन प्रति वर्षों की भांति इस वर्ष भी किया जा रहा है जिसमें श्रद्धालुओं की हजारों की संख्या में भीड़ पहुंच रही है। नवरात्रि के पहले दिन माई की मढ़िया में आयोजित महाआरती में क्षेत्रीय विधायक व छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया एवं क्षेत्रवासियों के लिए सुख समृद्धि की मंगल कामना की। मनेंद्रगढ़ शहर के हृदय स्थल में स्थित माई की मढ़िया में विराजमान मां भगवती शीतला माता शहर की आस्था का प्रतीक व अराध्य देवी हैं। माई की मढ़िया में मां शीतला माता की पूजा आराधना करने साल के बारहों मास श्रद्धालु भक्तों की भीड़ पहुंचती है। माई की मढ़िया सेवा समिति के द्वारा चैत्र नवरात्रि एवं शारदीय नवरात्रि में प्रतिवर्ष महाआरती का विशेष आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु भक्तों के द्वारा नवरात्रि के पूरे 9 दिन तक महाआरती का आयोजन कर विशाल भोग भंडारे का आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर माई की मढ़िया में नवरात्रि के प्रथम दिन से लेकर नवरात्रि के आखिरी दिन तक महाआरती का आयोजन किया गया है इसके साथ ही प्रतिदिन विशाल भोग भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है। माई की मढ़िया में आयोजित महाआरती में शामिल होने हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। माई की मढ़िया में विराजमान मां शीतला माता सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।

घायल में तेजी से उभरती प्रतिभा रमेश गुप्ता

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। सुगम संगीत और गजल गायन में इस अंचल के गायक कलाकार रमेश गुप्ता बड़ी तेजी से ऊपर कर सामने आ रहे हैं। छ.ग. के दूरस्थ कोरिया जिले मेलगातार दूसरे वर्ष आयोजित दो दिवसीय कोरिया साहित्य समारोह कोसम 2024 के दूसरे दिन के सत्र में सुगम गायन सत्र में गायक रमेश गुप्ता की गजलों की शानदार प्रस्तुति ने स्थानीय एवं छ.ग. के अलग अलग स्थान से आए अतिथि कलाकारों को भी अपने गायन से प्रभावित किया। शास्त्रीय गायन में भगवान गणेश का राग यमन में आवाहन करते हुए हे गणराज महाराज की प्रस्तुति के साथ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपनी ग़ज़ल प्रस्तुति में दिल ना मिलते तो मुलाकात अधूरी रहती देकर उन्होंने

श्रोताओं की तालियां बटोरी पैनी कलम के गजलकार शैलेंद्र श्रीवास्तव की लिखी गजल की कंपोजिंग एवं प्रस्तुति मे जब आलाप लैना शुरु किया तब वाह - वाह के साथ तालियों की गडगड़ाहट से पूरा सभागृह काफी देर तक गूँजता रहा। उनकी लोकप्रियता को देखते हुए अगले समारोह मे पूरा समय देने का आश्वासन आयोजन समिति द्वारा दिया गया। पूरे कार्यक्रम में तबले की प्रस्तुति सबके दिलों दिमाग पर छाई रही। तबलावादक शुभम गुप्ता के संगत ने कार्यक्रम को ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। तबले पर स्नातक की शिक्षा प्राप्त शुभम गुप्ता अपनी तबले की बानगी दिल्ली केन्द्रीय विद्यालय के राष्ट्रीय मंच पर भी दे चुके हैं और पुरस्कृत किए गए हैं। स्मरणीय है कि गायक रमेश गुप्ता अंचल के कई मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां लगातार दे रहे हैं. दीपावली के बाद देश में मनाया जाने वाले छठ पर्व की भोजपुरी गीतों के कई चर्चित गीत यूट्यूब सहित सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हो रही हैं. अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय मुम्बई से संगीत विशारद की शिक्षा प्राप्त गायक रमेश गुप्ता सोशल मीडिया पर भी चर्चित रहे हैं। गायन के क्षेत्र में तेजी के साथ उभरती इस प्रतिभा के शास्त्री गायन, सुगम संगीत, गजल एवं लोकगीत गायन से अंचल को काफी उम्मीदें हैं।

पारम्परिक दशहरा उत्सव के भव्य आयोजन एवं व्यवस्थापन हेतु बैठक का हुआ आयोजन

जशपुरनगर। जशपुर में पारम्परिक रूप से मनाए जाने वाले दशहरा उत्सव की तैयारियों हेतु शुक्रवार को जिला कार्यालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के मार्गदर्शन में दशहरा उत्सव आयोजन समिति के सदस्यों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें आयोजन को भव्यता के साथ व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण रूप से आयोजित करने हेतु चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू द्वारा आयोजन में रथ निर्माण एवं उसके लिए आवश्यक सामग्री उपलब्धता के साथ रथ परिक्रमा पथ में विद्युत लाइनों को ऊंचा करने एवं पेड़ों की शाखाओं की छटाई करने, सुरक्षा की दृष्टि से यातायात व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, माइक व्यवस्था, बैरिकेटिंग व्यवस्था, मंदिर के रंग रोगन की व्यवस्था, शौंचलयों की व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने उत्सव स्थल पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग के दलों को उपस्थित रहने तथा गरबा समितियों को अपने आयोजन स्थलों पर सीसीटीवी की स्थापना करने को कहा। बड़ी गाड़ियों की पार्किंग हेतु वैकल्पिक व्यवस्था के लिए तहसील परिसर, विश्राम गृह परिसर, सेंट्रल बैंक के निकट मैदान में व्यवस्था करने के साथ यात्री बसों के लिए उत्सव के समय बस स्टैंड तक पहुंचने हेतु वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था कराने को कहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी ने सुरक्षा व्यवस्था हेतु आयोजन स्थल पर व्यवस्थापन हेतु नगर सैनिकों की व्यवस्था, अग्निशमन गाड़ियों की व्यवस्था, यातायात के नियंत्रण हेतु यातायात पुलिस की मुख्य मार्गों एवं चौक चौराहों पर उपस्थिति एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर एसडीएम प्रशांत कुमार कुशवाहा, डिप्टी कलेक्टर ऋतुराज सिंह बिसेन, हरिओम द्विवेदी, विश्वास राव मस्के, सीएमओ योगेश्वर उपाध्याय सहित दशहरा समिति से कृष्ण कुमार राय, गोपाल राय, राज शरण भगत, अमर सिंह देव, रूपेंद्र सिंह, अरुण सिंह, अनूप नारायण सिंह, पवन गुप्ता, सुनील सोनी व अन्य थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा